मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 310
रविवार, 31 मई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान को बंदरगाहों में दुबका दिया: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 30 मई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भारतीय नौसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पूरी पाकिस्तानी नौसेना को अपने बंदरगाहों तक सीमित रहने पर मजबूर कर दिया। यहाँ खुले में बने नौसेना संग्रहालय 'नौसेना शौर्य वाटिका' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान पर दबाव बनाए रखने में नौसेना ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हमारी नौसेना पूरी तैयारी और ताकत के साथ अरब सागर में तैनात थी और दुश्मन पर लगातार दबाव बनाए रखा। परिणामस्वरूप, पाकिस्तान की पूरी नौसेना अपने बंदरगाहों तक सीमित रही। पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए 7 मई, 2025 को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था, जिसमें भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में कई आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। 10 मई की शाम दोनों पक्षों के बीच समझौता होने के बाद सैन्य संघर्ष समाप्त हो गया। भारतीय नौसेना की विरासत, परिचालन क्षमताओं और समुद्री उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए डिजाइन की गई नौसेना शौर्य वाटिका के उद्घाटन के बारे में बात करते हुए, सिंह ने कहा कि यह न केवल लखनऊ और उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए, बल्कि हमारे लिए भी व्यक्तिगत रूप से गर्व और सम्मान का क्षण है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में, यह सुविधा न केवल लखनऊ के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगी, बल्कि एक पर्यटन केंद्र के रूप में भी विकसित होगी और शहर के प्रमुख स्थलों में से एक के रूप में उभरेगी। इससे पहले,

सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य की उपस्थिति में सीजी सिटी क्षेत्र में शौर्य वाटिका का उद्घाटन किया।

भारतीय नौसेना और उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से विकसित यह संग्रहालय नौसेना की बहादुरी, शौर्य और तकनीकी उत्कृष्टता को समर्पित है। लखनऊ जैसे भू-बद्ध शहर में नौसेना संग्रहालय की स्थापना के पीछे के तर्क पर सिंह ने कहा कि समुद्री सुरक्षा प्रत्येक नागरिक से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर हमारी अर्थव्यवस्था, व्यापार और ऊर्जा आवश्यकताओं से जुड़ा है। इसकी रक्षा करने वाले भारत के हर गांव, कस्बे और शहर से आते हैं।

सिंह ने कहा कि नौसेना पूरे राष्ट्र की संपत्ति है, और इसकी शक्ति प्रत्येक नागरिक के संकल्प और विश्वास से आती है, चाहे वे समुद्र के किनारे रहते हों या लखनऊ जैसे शहर में। संग्रहालय के केंद्रबिंदु, सेवामुक्त युद्धपोत आईएनएस गोमती का जिक्र करते हुए सिंह ने लखनऊ से इसके संबंध पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार गोमती नदी शहर से होकर बहती है और अंततः गंगा और फिर समुद्र में मिल जाती है, उसी प्रकार आईएनएस गोमती ने हिंद महासागर में सेवा करते हुए लखनऊ को गौरव दिलाया। रक्षा मंत्री ने कहा कि जहाज के प्रतीक चिन्ह पर लखनऊ की ऐतिहासिक छतर मंजिल की छवि भी अंकित थी।

हिंदी पत्रकारिता राष्ट्र निर्माण की सशक्त धारा : ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली, 30 मई। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में आयोजित हिंदी पत्रकारिता द्विशताब्दी महोत्सव में सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने हिंदी पत्रकारिता के 200 गौरवशाली वर्षों को नमन करते हुए डाक विभाग द्वारा उदन्त मार्तण्ड पत्रिका पर जारी स्मारक डाक टिकट, फर्स्ट डे कवर एवं हिंदी पत्रकारिता : 200 साल की महागाथा ग्रंथ का विमोचन किया।

अपने संबोधन में सिंधिया ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता केवल समाचारों का माध्यम नहीं रही, बल्कि उसने भारत की राष्ट्रीय चेतना, स्वतंत्रता आंदोलन, सामाजिक जागरण और लोकतांत्रिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1826 में पंडित जुगल किशोर शुक्ल द्वारा प्रकाशित उदंत मार्तंड ने भारतीय समाज को अपनी आवाज दी और राष्ट्र चेतना की ऐसी मशाल प्रज्ज्वलित की, जिसकी रोशनी आज भी समाज को दिशा प्रदान कर रही है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौर में हिंदी पत्रकारिता ने जनजागरण का सशक्त माध्यम बनकर कार्य किया। लोकमान्य तिलक के केसरी, गणेश शंकर विद्यार्थी के प्रताप तथा महामना मदन मोहन मालवीय के अभ्युदय जैसे पत्रों ने राष्ट्रहित और जनचेतना को नई ऊर्जा प्रदान की। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता भारत में केवल एक पेशा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का आंदोलन रही है। वर्तमान दौर की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए सिंधिया ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, फेक न्यूज, डीपफेक और भ्रामक सूचनाओं के समय में पत्रकारिता की जिम्मेदारी पहले से अधिक बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि आज खबरों के बीच सत्य को पहचानना सबसे बड़ी चुनौती है और ऐसे समय में विश्वसनीय, निष्पक्ष एवं तथ्यपरक पत्रकारिता लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। कार्यक्रम के दौरान जारी किए गए स्मारक डाक टिकट और फर्स्ट डे कवर को हिंदी पत्रकारिता की दो सौ वर्षों की गौरवशाली परंपरा को समर्पित बताते हुए सिंधिया ने कहा कि यह भारत की वैचारिक विरासत और जनजागरण की उस परंपरा को सम्मान देने का अवसर है।

भरभराकर गिरी 5 मंजिला इमारत, कई लोगों के दबे होने की आशंका, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

नई दिल्ली, 30 मई। दक्षिण दिल्ली के साकेत मेट्रो स्टेशन के पास शनिवार शाम को पांच मंजिला एक इमारत गिरने से कई लोगों के मलबे के नीचे फंसे होने की आशंका है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों के अनुसार, पूरी बहुमंजिला इमारत ढह गई और मलबे के विशाल ढेर में तब्दील हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इमारत के भूतल पर एक कोचिंग संस्थान था और ऊपरी मंजिलों पर निर्माण कार्य चल रहा था। आशंका है कि फंसे हुए लोग छात्र हो सकते हैं। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) को शाम 7.44 बजे इमारत गिरने की सूचना मिली।

यह घटना सैदुलाजाब में साकेत मेट्रो स्टेशन के पास वेस्टर्न मार्ग पर हुई। दमकल की सात गाड़ियों को मौके पर भेजा गया है। घटनास्थल से

प्राप्त तस्वीरों में इमारत कंक्रीट, मुड़ी हुई धातु और टूटे हुए खंभों के ढेर में तब्दील हो चुकी थी, और मलबा पूरे क्षेत्र में बिखरा हुआ था। स्थानीय निवासी और पड़ोसी टॉर्च और मोबाइल फोन लेकर घटनास्थल पर पहुंचे, ताकि नुकसान की सीमा का पता लगाया जा सके और यह जांचा जा सके कि कहीं कोई मलबे के नीचे फंसा तो नहीं है। दमकल कर्मियों और पुलिस टीमों द्वारा खोज और बचाव अभियान शुरू किए जाने के बाद, चिंतित स्थानीय लोगों को मलबे में खोजबीन करते देखा गया। संकरी गली और घनी आबादी वाले इलाके में अफरा-तफरी का मंजर देखने को मिला। स्थानीय निवासी बचाव वाहनों और कर्मियों के लिए रास्ता खाली करने की कोशिश कर रहे थे। कई लोगों ने खोजबीन में मदद के लिए मोबाइल फोन की लाइट का इस्तेमाल किया।

'आमदनी का मीटर' बंद हो गया है, सरकार बहरी बनी हुई है: ऑटोरिक्शा चालकों की स्थिति पर बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली, 30 मई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ऑटोरिक्शा चालकों की स्थिति को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि "आमदनी का मीटर" रुक गया है, "महंगाई का ब्रेक फेल हो गया है" और सरकार बहरी बनी हुई है। राहुल गांधी ने एक दिन पहले ऑटोरिक्शा चालकों के साथ अपनी बातचीत का वीडियो 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए सरकार की कड़ी आलोचना की थी।

लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने एक वीडियो साझा करते हुए अपनी पोस्ट में कहा, " 'हम तो तबाह हो गए हैं और हमारी बात सुनने वाला कोई नहीं'। कल दोपहर के खाने पर एक ऑटोरिक्शा चालक भाई ने यह बात कही थी। इस एक

वाक्य में देश के लाखों गरीबों की पूरी कहानी आ गई।" गांधी ने आरोप लगाया, "आमदनी का मीटर बंद। महंगाई का ब्रेक फेल। सरकार- जिसका काम लोगों की बात सुनना है-अब भी बहरी बनी हुई है।" कांग्रेस के पूर्व प्रमुख ने कहा, "सीएनजी से एलपीजी तक। बच्चों की पढ़ाई से इलाज तक। दूध से लेकर खाने के तेल तक। हर बढ़ता रुपया इनके बजट पर, इनकी रसोई पर सीधा वार है। गांधी ने कहा, "इस बढ़ती महंगाई के बीच, मोदी जी सलाह देते हैं: 'सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें।' लेकिन, सार्वजनिक परिवहन की रीढ़ माने जाने वाले लोग ही आज महंगाई के बोझ तले दबे हैं।" उन्होंने कहा, "आज इनकी थाली में रोटी-दाल के साथ एक सवाल भी है - कल की रोटी कहां से आएगी।

गांधी ने शुक्रवार को बंगाली मार्केट क्षेत्र के टोडरमल पार्क इलाके में ऑटोरिक्शा चालकों के एक समूह से बातचीत की थी और उन्हें आश्वासन दिया था कि वह संसद में उनकी समस्याओं को उठाएंगे। बातचीत के बाद राहुल गांधी एक ऑटोरिक्शा चालक की वर्दी पहनकर बच्चों के साथ सेल्फी लेते हुए नजर आए। उन्होंने चालकों के साथ भोजन किया और बढ़ती महंगाई के बीच आजीविका चलाने में आ रही दिक्कतों के बारे में उनकी बातें सुनीं। इसके बाद वह एक ऑटोरिक्शा में बैठकर वहां से चले गए।

नीट पेपर लीक के पीछे शिक्षा माफिया का हाथ, सरकार नाकाम: अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नीट परीक्षा की प्रश्नपत्रों के परिवहन में वायुसेना के वाहनों का उपयोग करने के केंद्र सरकार के फैसले की आलोचना करते हुए इसे दिखावा बताया, जिसमें लीक को रोकने का कोई वास्तविक इरादा नहीं था। केजरीवाल ने देश की शिक्षा प्रणाली पर माफिया का नियंत्रण होने का आरोप लगाया। पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि ठएएळ परीक्षा में पेपर लीक रोकने के लिए वायुसेना के जहाजों का इस्तेमाल किया जाएगा। क्या इससे पेपर लीक रुकेंगे? हमारी सरकार अनपढ़ों की तरह बातें क्यों कर रही है? पेपर लीक रोकने का तो उनका कोई इरादा ही नहीं है। देश की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह माफिया के चंगुल में फंस गई है।

अभिषेक बनर्जी हमले पर ममता बनर्जी आग बबूला

कोलकता, 30 मई। पश्चिम बंगाल के सोनारपुर में चुनाव के बाद हुई हिंसा से प्रभावित परिवारों से मिलने गए टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी पर कथित तौर पर हमला होने के बाद, टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी और विपक्षी दलों ने शनिवार को सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ अपना रुख और कड़ा कर दिया। ये टिप्पणियां तब आईं जब टीएमसी सांसद पर अज्ञात लोगों ने पत्थर, जूते और अंडे फेंके और उन पर हमला करने की कोशिश की। उन्होंने चोर, चोर के नारे भी लगाए।

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी पर

हुए हमले का वीडियो साझा किया और भाजपा पर तीखा हमला करते हुए लिखा, शासक हत्यारे बन गए हैं - भाजपा पर शर्म आती है। घटनास्थल से मिले वीडियो में बनर्जी को पुलिस हेलमेट पहने सुरक्षाकर्मियों द्वारा ले जाते हुए दिखाया गया है, उनकी कमीज झड़प में बुरी तरह फट गई थी।

कोर्ट ने ट्रंप के 1.8 अरब डॉलर फंड पर लगाई रोक

अमेरिका, 30 मई। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के आंतरिक राजस्व सेवा (IRS) के खिलाफ दायर 10 अरब डॉलर के मुकदमे के निपटारे से जुड़ा एक बड़ा राजनीतिक और कानूनी विवाद सामने आया है। इस समझौते के तहत अमेरिकी न्याय विभाग (DOJ) ने लगभग 1.776 अरब डॉलर (करीब 1.8 अरब

डॉलर) का एक नया "Anti-Weaponization Fund" बनाने की घोषणा की थी, लेकिन अब इस योजना को संघीय अदालतों ने अस्थायी रूप से रोक दिया है।

ट्रंप, उनके बेटों और ट्रंप ऑर्गनाइजेशन ने IRS पर 10 अरब डॉलर का मुकदमा दायर किया था। यह मामला उनके टैक्स रिकॉर्ड लीक होने से जुड़ा था। मई 2026 में ट्रंप पक्ष ने अचानक यह मुकदमा वापस लेने पर सहमति जताई और इसके बदले DOJ ने 1.776 अरब डॉलर के "Anti-Weaponization Fund" की स्थापना की घोषणा की। न्याय विभाग के अनुसार, यह फंड उन लोगों की शिकायतें सुनने और आर्थिक राहत देने के लिए बनाया गया है जो दावा करते हैं कि वे सरकार द्वारा राजनीतिक या वैचारिक कारणों से निशाना बनाए गए थे।

सोशल मीडिया पर यह दावा किया जा रहा है कि ट्रंप ने अपने मुकदमे का इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए किया। फंड का पैसा उनके समर्थकों और राजनीतिक सहयोगियों को दिया जाएगा। क्या को ट्रंप, उनके परिवार और व्यवसायों की जांच छोड़नी होगी।

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L.T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW
SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

पर्यावरण संकट और हमारी लापरवाही: आने वाली पीढ़ियों के साथ अन्याय

-विक्रम दयाल

सुबह की ताजी हवा, पेड़ों की सरसराहट, पक्षियों की मधुर आवाज–कभी ये सब हमारे जीवन का स्वाभाविक हिस्सा हुआ करते थे। आज वही हवा धुएँ से भारी हो गई है, नदियाँ गंदगी से भर चुकी हैं, और पेड़ों की जगह कंक्रीट के जंगल उग आए हैं। विकास की अंधी दौड़ में हमने प्रकृति को पीछे छोड़ दिया है, और शायद यही हमारी सबसे बड़ी भूल है। हम अक्सर सोचते हैं कि पर्यावरण संकट कोई दूर की समस्या है, जिसका असर आने वाले समय में दिखेगा। लेकिन सच्चाई यह है कि इसका प्रभाव आज, इसी क्षण हमारे जीवन को प्रभावित कर रहा है। बढ़ता तापमान, अनियमित वर्षा, जल संकट, और प्राकृतिक आपदाएँ–ये सब उसी लापरवाही का परिणाम हैं, जिसे हम वर्षों से नजरअंदाज करते आए हैं। 'सबसे दुखद पहलू यह है कि इस संकट के लिए जिम्मेदार हम हैं, लेकिन इसकी कीमत आने वाली पीढ़ियाँ चुकाएँगी। हमने अपने स्वार्थ और सुविधाओं के लिए प्रकृति का अंधाधुंध दोहन किया–जंगल काटे, नदियों को प्रदूषित किया, और हवा को जहरीला बना दिया। हमने कभी यह नहीं सोचा कि हमारे इन कार्यों का भविष्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा। आज का बच्चा जिस दुनिया में जन्म ले रहा है, वह पहले जैसी नहीं रही। उसे स्वच्छ हवा, शुद्ध पानी और हरियाली के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। यह स्थिति केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि एक नैतिक प्रश्न भी है–क्या हमें यह अधिकार है कि हम अपने लाभ के लिए भविष्य की पीढ़ियों का हक छीन लें? हमारी लापरवाही केवल बड़े उद्योगों या सरकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे रोजमर्रा के छोटे-छोटे कार्यों में भी झलकती है। प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग, पानी की बबार्दी, बिजली की अनावश्यक खपत–ये सब मिलकर एक बड़े संकट को जन्म देते हैं। हम अक्सर सोचते हैं कि हमारे अकेले के प्रयास से क्या फर्क पड़ेगा, लेकिन यही सोच सबसे बड़ा खतरा है। परंतु अभी भी समय पूरी तरह हाथ से नहीं निकला है। यदि हम अपनी आदतों में छोटे-छोटे बदलाव लाएँ–जैसे पेड़ लगाना, पानी और ऊर्जा की बचत करना, और पर्यावरण के प्रति जागरूक रहना–तो हम इस दिशा में सकारात्मक कदम उठा सकते हैं। सरकारों और संस्थाओं के साथ-साथ हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह इस संकट को समझे और उसके समाधान में योगदान दे। हमें यह याद रखना होगा कि प्रकृति केवल संसाधन नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व का आधार है। यदि हम इसे नष्ट करेंगे, तो अंततः हम स्वयं को ही नुकसान पहुँचाएँगे। अंततः, यह केवल पर्यावरण को बचाने की लड़ाई नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने का प्रयास है। अगर आज हम नहीं जागे, तो कल बहुत देर हो जाएगी। संदेश यही है–प्रकृति को बचाइए, क्योंकि यह केवल हमारी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की भी धरोहर है।

भारतीय युवाओं के मस्तिष्क को संकुचित करता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

संजीव ठाकुर

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट के भारतीय संदर्भ में जहां जनसंख्या 141 करोड़ हो चुकी है और बड़ी संख्या में युवा बेरोजगार है ज्यादा प्रयोग से लोगों की नौकरियां जाने का बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता है। यह बात दुनिया के बड़े अरबपति कारोबारी टेस्ला और एक्स के कारोबारी एलन मस्क ने स्टार्टअप के एक कार्यक्रम में फ्रांस में महत्वपूर्ण अंदाज में कहीं, भविष्य के लिए यह बात एकदम सटीक एवं सार्थक है। एक अन्य अरबपति कारोबारी इयान बैंक्स ने भी इस पर गंभीर चिंता जताई है। यह बात सभी विकासशील देशों के लिए भी लागू हो सकती है। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नफ्ज पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पल्स रेट द्वारा आपके मन की हर बात जानने में सक्षम हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है।

अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे पर अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है और आश्चर्यजनक रूप से यूएई ,सऊदीअरबिया, कतर, मिस्त्र ,जॉर्डन,

मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है।इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर मिसाइल दागने में यूक्रेन यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है और अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है वैसे तो यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे हैं. विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं. खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्त्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34% बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं। खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकें' यूं एई पहला देश है जिसने 2017 ने इस तकनीक को अपनाया था इसके बाद खाड़ी के देशों में अब टेक्नोलॉजी को अपनाने में होड़ हो गई है' यह सभी देश एआई टेक्नोलॉजी पर लगभग 3 अरब डॉलर खर्च कर चुके हैं' दूसरी तरफ यदि इसका इस्तेमाल अति विशेषज्ञों द्वारा नहीं किया गया तो इसका दुरुपयोग जिन देशों के पास इन टेक्नोलॉजी से एडवांस टेक्नोलॉजी है वह पूरी जानकारी निकालने में सक्षम होंगे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग यूरोपीय देश न सिर्फ सामरिक महत्व की चीजों में कर रहे हैं बल्कि मेडिकल साइंस और अंतरिक्ष विज्ञान में भी पूरी तरह हो रहा है और इससे बहुत फायदे भी मिल रहे हैं' आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव प्रजाति के लिए जितना फायदेमंद है दूसरी तरफ उतना ही नुकसान दे और इससे वैश्विक शांति को खतरा भी हो सकता है' राइट एक्टिविस्ट मानते हैं कि रोबोट की तरह इस तरह की विज्ञान पर आधारित चीजें माननीय प्रजाति को खत्म कर सकती है बल्कि उनकी चिंता डेटा सुरक्षा प्रपोगेंडा सर्विलांस के विरुद्ध होने वाले नुकसान पर भी ज्यादा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर खाड़ी के देशों ने एआई के इस्तेमाल पर दिशा निर्देश तय कर उसे जारी किया है हालांकि इस पर कोई कानूनी बाध्यता नहीं है फिर भी इसका दुरुपयोग होने से मानव को खतरा भी हो सकता है यह एक वैश्विक चिंता की बात है।

पाकिस्तान द्वारा भारत के प्रति दुष्प्रचार के बावजूद भारत दिखाई

अशोक भाटिया

भारत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ सख्त एक्शन लिया था। उसने सिंधु जल संधि को भी स्थगित कर दिया था। भारत के इस फैसले ने पाकिस्तान को बड़ा झटका दिया, जिसका असर अभी तक बना हुआ है। इसी वजह से पाकिस्तान अब भारत के सामने हाथ फैलाता नजर आ रहा है। पाक ने मंगलवार (27 मई) को भारत से सिंधु जल संधि का सम्मान करने का आग्रह किया।

पाकिस्तान ने कहा कि संधि को स्थगित करने का कोई भी प्रयास कई देशों के लिए एक खतरनाक मिसाल कायम करेगा। समाचारों के मुताबिक ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में आयोजित एक उच्च स्तरीय अंतरराष्ट्रीय जल सम्मेलन को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण समन्वय मंत्री डॉ। मुसादिक मलिक ने भारत पर साझा जल संसाधनों का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि सीमा पार नदियों को प्रभावित करने वाली एकतरफा कार्रवाई जल सुरक्षा, खाद्य उत्पादन और जलवायु परिवर्तन से निपटने से संबंधित गंभीर वैश्विक चुनौतियां पैदा कर सकती हैं। मलिक ने भारत से सिंधु जल संधि का सम्मान करने और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता तंत्रों का पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संधि को स्थगित करने का कोई भी प्रयास दुनिया भर के निचले इलाकों में स्थित देशों के लिए एक खतरनाक मिसाल कायम करेगा।

पिछले साल 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के एक दिन बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए थे, जिसमें सिंधु जल संधि को स्थगित करना भी शामिल था। पाकिस्तान ने भारत द्वारा संधि को निलंबित किए जाने को खारिज कर दिया और कहा कि समझौते के तहत पाकिस्तान के लिए पानी रोकने के लिए उठाए गए किसी भी कदम को युद्ध की तरह माना जाएगा।

विश्व बैंक की मध्यस्थता से पूरी हुई सिंधु जल संधि, 1960 से भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के जल के वितरण और उपयोग को नियंत्रित करती आ रही है। मलिक ने पाकिस्तान की बढ़ती जलवायु चुनौतियों का भी जिक्र किया और कहा कि वैश्विक तापमान वृद्धि से सबसे बुरी तरह प्रभावित देशों में पाकिस्तान भी शामिल है।

बहरहाल सिंधु जल संधि के निलंबन के बावजूद भारत ने एक बार फिर मानवीय गरिमा और जिम्मेदारी की मिसाल पेश की है। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित सलाल बांध से गाद निकालने और मानसून से पहले जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए भारत ने बांध के स्पिलवे गेट खोल दिए हैं। इसके चलते चिनाब नदी में पानी का बहाव तेजी से बढ़ने की संभावना है। भारत सरकार ने इस बढ़े हुए जलप्रवाह के बारे में पाकिस्तान को अरली वार्निंग भेजकर सतर्क कर दिया है ताकि निचले इलाकों में रहने वाले लोग सुरक्षित स्थानों पर जा सकें।

भारत से मिले इस आधिकारिक इनपुट के बाद पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में तुरंत फ्लड अलर्ट घोषित कर दिया गया है। सियालकोट के डिप्टी कमिश्नर समेत आपदा प्रबंधन अधिकारियों को नदी पर 24 घंटे निगरानी रखने और आम जनता को चिनाब के किनारों से दूर रखने के निर्देश दिए गए हैं। यह पिछले आठ महीनों में दूसरा मौका है जब भारत ने संधि निलंबित होने और पाकिस्तान के लगातार दुष्प्रचार के बाद भी उसे इस तरह की आपदा से बचाने के लिए समय रहते सूचना दी है। इससे पहले अगस्त 2024 में भी भारत ने सतलुज नदी में बाढ़ आने की चेतावनी देकर पाकिस्तान के हजारों नागरिकों को सुरक्षित निकालने में मदद की थी।

गौरतलब है कि चिनाब, सिंधु नदी बेसिन की छह नदियों में से एक है, जो भारत और पाकिस्तान के बीच साझा है। सिंधु संधि के तहत, भारत को सतलुज, ब्यास और रावी नदियों के जल पर असीमित अधिकार प्राप्त हैं। पाकिस्तान को पश्चिमी नदियों - सिंधु, झेलम और चिनाब पर अधिकार प्राप्त हुए हैं। हालांकि, वर्षों से भारत इन नदियों का उपयोग सिंचाई और जलविद्युत परियोजनाओं के लिए कर रहा है, जिससे पाकिस्तान काफी असंतुष्ट है। पिछले सप्ताह, जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के जिला मजिस्ट्रेट ने मानसून से पहले गाद निकालने के लिए सलाल बांध के स्पिलवे गेट खोलने की घोषणा की। इसकी जानकारी पंजाब प्रांत के कृषि विभाग को भी दी गई। सियालकोट के उपायुक्त ने आपदा प्रबंधन अधिकारियों को सतर्क करते हुए कहा कि भारत द्वारा बांध के स्पिलवे गेट खोलने के कारण चिनाब नदी का जलस्तर दो से तीन मीटर तक बढ़ सकता है। अधिकारियों को नदी की 24 घंटे निगरानी सुनिश्चित करने और चिनाब के किनारों पर लोगों की आवाजाही प्रतिबंधित करने का निर्देश दिया गया है। 130 मीटर ऊंचे बांध वाला सलाल बांध, सिंधु संधि के तहत भारत द्वारा निर्मित पहली जलविद्युत परियोजना थी। पिछले कुछ वर्षों में, भारत ने बारिश के बाद बढ़े जलस्तर के कारण होने वाले अतिप्रवाह को नियंत्रित करने के लिए बांध के गेट थोड़े समय के लिए खोले हैं।

दिलचस्प बात यह है कि भारत के इस कदम के बावजूद, इस्लामाबाद वैश्विक मंच पर दिल्ली को बदनाम करना जारी रखे हुए है। भीषण गर्मी से पहले उसकी चिंता स्पष्ट रूप से झलक रही है। एक कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था होने के नाते, पाकिस्तान पंजाब में कृषि और सिंचाई के लिए सिंधु नदी के जल प्रवाह पर अत्यधिक निर्भर है, जिसे देश की अनाज की टोकरी कहा जाता है। पिछले कुछ दिनों से पाकिस्तान वैश्विक मंचों पर इस मुद्दे को जोर-शोर से उठा रहा है ताकि भारत सिंधु बेसिन के जल को साझा करने के मुद्दे पर अपना रुख नरम करे। ताजिकिस्तान में आयोजित जल सम्मेलन में पाकिस्तानी मंत्री डॉ। मुसादिक मलिक ने भारत पर साझा जल संसाधनों का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। उसी दिन, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने संयुक्त राष्ट्र में इस बात पर जोर दिया कि सिंधु संधि को निलंबित रखकर दक्षिण एशिया में ऱस्थायी शांतिऱ स्थापित नहीं की जा सकती। डार ने आगे कहा, ऱजल को कभी भी हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। दरअसल, पिछले आठ महीनों में यह दूसरी बार है जब भारत ने इस तरह का सहयोग दिया है। पिछले साल अगस्त में, भारत ने पाकिस्तान को सतलुज नदी में संभावित बाढ़ के बारे में आगाह किया था, जब उसने अतिप्रवाहित बांधों और उफनती नदियों से पानी छोड़ा था। भारत के इस सहयोग से पाकिस्तान समय रहते निचले इलाकों में रहने वाले हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने में सफल रहा। उस समय भी, पाकिस्तान ने इस सहयोग को स्वीकार नहीं किया और अपना दुष्प्रचार अभियान जारी रखा।

वैसे भारत द्वारा सिंधु जल संधि (IWT) को ठंडे बस्ते में डालना पाकिस्तान के लिए एक बड़ा आर्थिक और रणनीतिक झटका है। वर्ष 1960 में हस्ताक्षरित यह संधि भारत-पाकिस्तान के बीच 1965, 1971 और 1999 के भीषण युद्धों के दौरान भी कभी नहीं रुकी थी। लेकिन, 2025 में पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने अपनी कूटनीति में बड़ा बदलाव किया। भारत ने न केवल संधि को निलंबित किया बल्कि मानसून के दौरान पाकिस्तान के साथ साझा किए जाने वाले वॉटर-लेवल डेटा को भी पूरी तरह से बंद कर दिया। यह डेटा पाकिस्तान के लिए पंजाब और सिंध प्रांतों में बाढ़ से बचने का एकमात्र जरिया था।

इस पूरे घटनाक्रम का विश्लेषण करें तो यह साफ होता है कि भारत ने भले ही कड़े दंडात्मक कदम उठाते हुए डेटा शेयरिंग रोक दी हो लेकिन वह एक गैर-जिम्मेदार देश की तरह काम नहीं कर रहा है। चिनाब नदी को लेकर दिया गया यह ताजा अलर्ट दिखाता है कि भारत कूटनीतिक मोर्चे पर बेहद परिपक्व है; वह बिना संधि के बंधनों के भी मानवीय आधार पर आपदा प्रबंधन की जानकारी साझा कर रहा है। वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान की बौखलाहट वैश्विक मंचों पर साफ दिख रही है, क्योंकि आने वाले सूखे और गर्मियों के मौसम में सिंधु बेसिन के पानी के बिना उसकी पूरी खेती बर्बाद हो सकती है। भारत के इस कदम ने दुनिया को यह संदेश दिया है कि दिल्ली आतंकवाद पर कोई ढील नहीं देगा, लेकिन बेकसूर नागरिकों की जान बचाने के भूगोल और नदियों के प्राकृतिक नियमों का सम्मान हमेशा करेगा।

भारत ने पाकिस्तान को चिनाब नदी को लेकर जो ताजा चेतावनी जारी की है उसके अनुसार भारत ने पाकिस्तान को सूचित किया है कि जम्मू-कश्मीर में सलाल बांध के स्पिलवे गेट खोलने के कारण चिनाब नदी में 30 मई तक पानी का बहाव तेजी से बढ़ सकता है, जिससे वहां बाढ़ का खतरा पैदा हो सकता है। अब सवाल यह भी है कि बांध के गेटों को अचानक क्यों खोलना पड़ा? क्योकि मानसून सीजन की शुरूआत से पहले बांध में जमा हुई गाद को साफ करने और अत्यधिक पानी के ओवरफ्लो को प्रबंधित करने के लिए सलाल बांध के स्पिलवे गेट्स को खोला गया है।

पूर्वांचल में सपा के पीडीए के खिलाफ बीजेपी का पीडीवी दांव

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की गरमा गरमी के बीच भारतीय जनता पार्टी ने पूर्वांचल में संगठन मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने आलाकमान से विचार-विमर्श के बाद पूर्वांचल के पांच जिलों अंबेडकरनगर, वाराणसी, चंदौली, गोरखपुर महानगर और देवरिया के नए जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी है। इस घोषणा में जातीय और क्षेत्रीय समीकरण को पूरी तरह ध्यान में रखा गया है। दो जिलों में ओबीसी, एक में दलित, एक में वैश्य और एक में क्षत्रिय चेहरे को जिम्मेदारी सौंपकर भाजपा ने सामाजिक संतुलन साधने का स्पष्ट संदेश दिया है। नये जिलाध्यक्षों का बारीकी से आकलन किया जाये तो बीजेपी की 2027 के विधान सभा चुनाव के लिये रणनीति साफ नजर आती है। समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) की काट के लिये बीजेपी पीडीवी(पिछड़ा-दलित-वैश्य) वाला वोट बैंक तैयार कर रही है।

अंबेडकरनगर में भाजपा ने दिलीप देव पटेल को नया जिलाध्यक्ष बनाया है। पहले यहां त्रयंबक त्रिपाठी जिलाध्यक्ष थे। दिलीप देव पटेल को संगठन में लंबे अनुभव और ओबीसी समाज में मजबूत पकड़ के चलते जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी इसे सामाजिक संतुलन और संगठन विस्तार के लिहाज से अहम मान रही है। गोरखपुर महानगर में रमेश कुमार गुप्ता को जिलाध्यक्ष की कमान सौंपी गई है। देवेश श्रीवास्तव के निधन के बाद यह पद खाली चल रहा था। पूर्व महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता महानगर संयोजक के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे थे। रमेश कुमार गुप्ता को जिम्मेदारी देकर भाजपा ने वैश्य समाज को साधने का स्पष्ट संदेश दिया है। गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का राजनीतिक गढ़ माना जाता है, इसलिए यहां संगठन की कमान मजबूत और अनुभवी चेहरे को सौंपना पार्टी की रणनीति का हिस्सा है।

देवरिया में भाजपा ने काली प्रसाद को नया जिलाध्यक्ष बनाया है। इससे पहले यह जिम्मेदारी भूपेन्द्र सिंह के पास थी। पार्टी ने दलित समाज से आने वाले चेहरे पर भरोसा जताकर सामाजिक समीकरण मजबूत करने की कोशिश की है। संगठन में लंबे समय से सक्रिय रहने के कारण काली प्रसाद को जमीनी कार्यकर्ता के रूप में पहचान मिली हुई है। वाराणसी में राम सकल पटेल को जिलाध्यक्ष बनाया गया है, जिन्होंने हंसराज विश्वकर्मा की जगह ली है। हंसराज विश्वकर्मा के योगी सरकार में मंत्री बनने के बाद यह पद खाली हो गया था। राम सकल पटेल लंबे समय से वाराणसी में संगठन के कार्यों से जुड़े रहे हैं और उनकी जमीनी पकड़ मजबूत मानी जाती है। चंदौली में काशीनाथ सिंह को दोबारा जिलाध्यक्ष बनाए रखा गया है। वे संगठन के पुराने और

-अजय कुमार

सक्रिय नेताओं में गिने जाते हैं और पार्टी नेतृत्व ने उनके अनुभव और संगठन क्षमता को देखते हुए निरंतरता बनाए रखने का फैसला किया है। नये जिलाध्यक्षों का जातीय आधार पर विश्लेषण किया जाये तो साफ लगता है कि भाजपा के नेतृत्व द्वारा नई टीम समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) गठबंधन की सीधी काट के रूप में तैयार की जा रही है। भाजपा ने जानबूझकर ओबीसी, दलित और वैश्य समाज के चेहरों को मजबूत पदों पर लाने से सपा का पीडीए वोट-बैंक कमजोर कर दिया है। अब ये समुदाय भाजपा को अपनी ओर खींचने वाले अपने चेहरे देख रहे हैं, जिससे सपा की पकड़ ढीली होगी। समाजवादी पार्टी को इस फैसले से तीन स्तर पर गहरा नुकसान हो सकता है। पहला, अंबेडकरनगर जैसे जातीय रूप से संवेदनशील जिले में ओबीसी कुर्मी चेहरा दिलीप देव पटेल आने से सपा का पिछड़ा वोट-बैंक दरक सकता है। यहाँ पहले ब्राह्मण नेता त्रयंबक त्रिपाठी जिलाध्यक्ष थे, लेकिन अब ओबीसी चेहरा आने से पिछड़े वर्ग का समर्थन भाजपा की ओर मुड़ सकता है। दूसरा, गोरखपुर महानगर जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का राजनीतिक गढ़ है,में वैश्य समाज के रमेश कुमार गुप्ता को जिम्मेदारी मिलने से सपा का व्यापारी-वैश्य वर्ग भाजपा की ओर झुक सकता है। देवेश श्रीवास्तव के निधन के बाद खाली पद पर वैश्य चेहरा लाना भाजपा की रणनीति का हिस्सा है। तीसरा, देवरिया में दलित चेहरे काली प्रसाद को लाने से सपा और बसपा का दलित वोट-बैंक कमजोर होगा, क्योंकि भाजपा ने जमीनी कार्यकर्ता के रूप में पहचान वाले दलित नेता को चुनकर सामाजिक समीकरण मजबूत किया है।

भाजपा की यह रणनीति सपा के पीडीए गठबंधन को सीधे तौर पर चुनौती देती है। अब भाजपा ने पिछड़े, दलित और वैश्य समुदायों को अलग-अलग जिलों में नेतृत्व देकर समाजवादी पार्टी को सीमित वोट बैंक वाली पार्टी बना दिया है, जबकि भाजपा अब सामाजिक संतुलन वाला चेहरा दिखा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गढ़ गोरखपुर में अनुभवी और संगठन से जुड़े चेहरों पर भरोसा जताना भी भाजपा की मजबूत रणनीति है। वर्तमान में भाजपा ने उत्तर प्रदेश के 98 संगठनात्मक जिलों और महानगरों में से 83 जिलों के जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी है। मार्च 2025 में 68 जिलों, फरवरी 2026 में 11 जिलों और मई 2026 में अब 5 जिलों के नाम ऐलान हो चुके हैं। इसका मतलब है कि अब केवल 15 जिलों के जिलाध्यक्ष बनना बाकी हैं। इन 15 बाकी जिलों में अयोध्या, सहारनपुर, अमरोहा, शामली, बागपत, मथुरा जिला, मथुरा महानगर, और पूर्वांचल व ब्रज क्षेत्र के कुछ जिले शामिल हैं।

भाजपा की यह तैयारी 2027 विधानसभा चुनाव के लिए है। पार्टी जानती है कि उत्तर प्रदेश में सत्ता बनाए रखने के लिए सामाजिक गठबंधन मजबूत करना जरूरी है। ओबीसी, दलित और वैश्य समाज को अलग-अलग जिलों में नेतृत्व देकर भाजपा ने यह संदेश दे दिया है कि वे सभी समुदायों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह रणनीति च के पीडीए गठबंधन को तोड़ने के लिए विशेष रूप से तैयार की गई है।समाजवादी पार्टी अब इस चुनौती का सामना कैसे करती है, यह देखना महत्वपूर्ण होगा। सपा को अपने पीडीए गठबंधन को और मजबूत करना होगा और यह साबित करना होगा कि वे पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समाज की असली आवाज हैं। लेकिन भाजपा ने जमीनी स्तर पर जिला अध्यक्षों की नियुक्ति करके यह स्पष्ट कर दिया है कि वे संगठन विस्तार और सामाजिक संतुलन पर जोर दे रहे हैं।

गौरतलब हो, उत्तर प्रदेश की राजनीति में अब भाजपा की पिछड़ा-दलित वाली रणनीति का प्रभाव दिखेगा। चुनावी माहौल गरम होने से पहले ही भाजपा ने संगठन मजबूत करके सपा को चुनौती दे दी है। 15 बाकी जिलों में जिलाध्यक्षों की घोषणा होने पर यह और साफ होगा कि भाजपा कहां कितनी मजबूत हो रही है। सभी 98 जिलों और महानगरों में जिलाध्यक्षों की नियुक्ति पूरी होने के बाद भाजपा का संगठन 2027 चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार हो जाएगा। भाजपा की यह रणनीति सपा के लिए गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि भाजपा ने जानबूझकर ऐसे जिलों में चेहरे चुने हैं जहां सपा का पारंपरिक वोट बैंक है। अब सपा को यह साबित करना होगा कि वे पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समाज की असली आवाज हैं और भाजपा की यह नियुक्ति केवल चालाकी है। लेकिन जमीनी स्तर पर ओबीसी, दलित और वैश्य नेताओं को जिम्मेदारी मिलने से सामान्य कार्यकर्ता और वोटर्स पर भाजपा का असर पड़ेगा। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 तक समय है, लेकिन भाजपा ने पहले ही अपने संगठन को मजबूत करना शुरू कर दिया है। यह रणनीति सपा के पीडीए गठबंधन को तोड़ने और अपने सामाजिक आधार को विस्तार देने के लिए विशेष रूप से तैयार की गई है। 15 बाकी जिलों में जिलाध्यक्षों की घोषणा होने के बाद भाजपा का संगठन पूरी तरह तैयार हो जाएगा और चुनावी मैदान में उतरने के लिए बिल्कुल तैयार हो जाएगा।

भक्ति, बाबाओं की सत्ता और न्याय का विरोधाभास

- डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में धर्म केवल आस्था का विषय नहीं है; वह सामाजिक प्रभाव, राजनीतिक शक्ति और आर्थिक संरचना का भी बड़ा केंद्र बन चुका है। यही कारण है कि जब किसी बड़े धार्मिक बाबा, स्वयंभू संत या आध्यात्मिक संगठन के प्रमुख पर गंभीर आपराधिक आरोप लगते हैं, तब मामला केवल अदालत और कानून तक सीमित नहीं रहता। वह समाज की मानसिकता, भक्त-राजनीति, न्याय-व्यवस्था और राज्य की निष्पक्षता पर एक व्यापक बहस में बदल जाता है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने कई ऐसे मामले देखे हैं जहाँ बड़े-बड़े धार्मिक चेहरों पर यौन शोषण, आर्थिक अनियमितता, हिंसा, अवैध कब्जे और सत्ता के दुरुपयोग जैसे आरोप लगे। कुछ मामलों में अदालतों ने दोष सिद्ध भी किए, लेकिन इसके बावजूद उनके प्रभाव, लोकप्रियता और अनुयायियों की संख्या में बहुत अधिक कमी दिखाई नहीं दी। यही विरोधाभास भारतीय समाज की सबसे जटिल सच्चाइयों में से एक है।

जब किसी दोषसिद्ध बाबा को पैरोल मिलती है, जेल से बाहर आने पर उसका भव्य स्वागत होता है, बड़ी गाड़ियों के काफिले चलते हैं, हजारों अनुयायी इकट्ठा होते हैं और पूरा वातावरण किसी धार्मिक उत्सव जैसा दिखाई देता है, तब एक बड़ा प्रश्न समाज के सामने खड़ा होता है–क्या भारत में आस्था न्याय से अधिक शक्तिशाली हो चुकी है? सामान्य परिस्थितियों में किसी अपराधी की जेल-रिहाई केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया होती है, लेकिन जब वही व्यक्ति करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र हो, तब उसकी हर गतिविधि राजनीतिक और सामाजिक अर्थ ग्रहण कर लेती है।

भारतीय लोकतंत्र का संकट यही है कि यहाँ कई बार व्यक्ति ह्लधार्मिक ब्रांडह्व बन जाता है। उसके खिलाफ अदालत का फैसला भी उसके अनुयायियों के विश्वास को पूरी तरह नहीं तोड़ पाता। भक्तों का एक बड़ा वर्ग हर आरोप को साजिश, राजनीति या धार्मिक षड्यंत्र के रूप में देखने लगता है। यही कारण है कि कुछ बाबाओं के खिलाफ गंभीर आरोप सिद्ध होने के बाद भी उनके डेरे, आश्रम और संस्थाएँ पहले की तरह चलती रहती हैं। उनके समर्थक उन्हें अपराधी नहीं, बल्कि ह्लपीड़ित संतह्व के रूप में प्रस्तुत करते हैं। यह स्थिति केवल न्याय-व्यवस्था के लिए ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक चेतना के लिए भी चुनौती है। समस्या केवल बाबाओं तक सीमित नहीं है; समस्या उस सामाजिक संरचना में भी है जो व्यक्ति-पूजा को विवेक से ऊपर रखती है। भारत के अनेक हिस्सों में धार्मिक बाबा केवल आध्यात्मिक गुरु नहीं होते, बल्कि लोगों के जीवन-निर्णयों, आर्थिक व्यवहार, सामाजिक संबंधों और राजनीतिक सोच तक को प्रभावित करते हैं। गरीब, वंचित और भावनात्मक रूप से टूटे लोग अक्सर ऐसे संगठनों में सुरक्षा, पहचान और सहारा खोजते हैं। धीरे-धीरे यह आस्था निर्भरता में बदल जाती है। यही निर्भरता कई बार सवाल पूछने की क्षमता को खत्म कर देती है। भक्त अपने गुरु के खिलाफ आए आरोपों को स्वीकार करने के बजाय पूरी व्यवस्था पर ही अविश्वास करने लगते हैं। यह भी सच है कि सभी धार्मिक गुरु या संत एक जैसे नहीं होते। अनेक संत समाज-सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य और आध्यात्मिक मार्गदर्शन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण काम भी करते हैं। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब किसी बाबा के इर्द-गिर्द ह्लअसीम शक्तिह्व और ह्लअंध-भक्तिह्व का ऐसा वातावरण बना दिया जाता है कि वह स्वयं को कानून और नैतिकता से ऊपर समझने लगे। इतिहास बताता है कि जब भी किसी व्यक्ति को बिना प्रश्न किए ह्लदैवीयह्व बना दिया जाता है, तब शोषण और सत्ता-दुरुपयोग की संभावना बढ़ जाती है। लोकतंत्र में किसी भी व्यक्ति या संस्था को सवालों से परे नहीं रखा जा सकता, चाहे वह राजनीतिक नेता हो, उद्योगपति हो या धार्मिक गुरु। ऐसे मामलों में राज्य और राजनीति की भूमिका भी सवालों के घेरे में आती है। बड़े धार्मिक संगठनों के पास विशाल जनसमर्थन होता है, जिसका चुनावी प्रभाव भी पड़ता है। यही कारण है कि राजनीतिक दल अक्सर ऐसे संगठनों के प्रति नरम रुख अपनाते दिखाई देते हैं। कई बार यह धारणा बनती है कि प्रभावशाली बाबाओं को कानून से अधिक सामाजिक और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त होता है। चाहे यह पूरी तरह सच हो या नहीं, लेकिन यदि जनता के भीतर यह विश्वास पैदा हो जाए कि कानून सबके लिए समान नहीं है, तो न्याय-व्यवस्था की नैतिक विश्वसनीयता कमजोर होने लगती है।

पैरोल और कानूनी राहत अपने-आप में गलत नहीं हैं। भारतीय कानून हर कैदी को कुछ अधिकार देता है। लेकिन जब किसी प्रभावशाली बाबा की पैरोल सार्वजनिक शक्ति-प्रदर्शन में बदल जाती है, तब वह केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं रह जाती। वह समाज में यह संदेश देती है कि प्रभाव और भीड़ आज भी न्याय की भाषा को प्रभावित कर सकते हैं। यही कारण है कि हर ऐसी रिहाई के बाद पीड़ितों, महिला अधिकार कार्यकताओं और सामाजिक संगठनों के भीतर असंतोष बढ़ता है। उन्हें लगता है कि जिन लोगों ने न्याय के लिए लंबी लड़ाई लड़ी, उनकी पीड़ा को समाज जल्दी भूल जाता है, लेकिन प्रभावशाली चेहरों की वापसी को उत्सव बना देता है।

यह पूरा घटनाक्रम मीडिया और सोशल मीडिया की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। आज धार्मिक बाबाओं की छवि केवल आश्रमों में नहीं बनती, बल्कि कैमरों, वायरल वीडियो, भक्त-प्रचार और डिजिटल अभियानों के माध्यम से तैयार की जाती है। कुछ लोग उन्हें ह्लमसीहाह्व बनाकर प्रस्तुत करते हैं, तो कुछ उन्हें खलनायक के रूप में। इस प्रक्रिया में कई बार तथ्य पीछे छूट जाते हैं और भावनाएँ केंद्र में आ जाती हैं। लोकतंत्र के लिए यह खतरनाक स्थिति है, क्योंकि किसी भी समाज का नैतिक संतुलन केवल भावनाओं से नहीं, बल्कि विवेक और सत्य से बनता है।

भारत को अब यह समझना होगा कि धार्मिक आस्था और लोकतांत्रिक न्याय के बीच संतुलन बनाए बिना स्वस्थ समाज संभव नहीं है। किसी को पूजा जाने का अधिकार है, लेकिन किसी भी व्यक्ति को कानून से ऊपर मान लेने का अधिकार किसी को नहीं हो सकता। यदि समाज संत और अपराध के बीच स्पष्ट रेखा नहीं खींच पाएगा, तो न्याय हमेशा भावनात्मक संघर्षों में उलझा रहेगा। आज आवश्यकता केवल अदालतों की नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता की भी है। लोगों को यह समझना होगा कि सच्ची आध्यात्मिकता व्यक्ति-पूजा नहीं, बल्कि नैतिकता, संवेदनशीलता और सत्य के प्रति प्रतिबद्धता में होती है। कोई भी बाबा, संत या धार्मिक नेता यदि समाज में सम्मान चाहता है, तो उसे सबसे पहले पारदर्शिता, जवाबदेही और कानून के प्रति सम्मान का उदाहरण प्रस्तुत करना होगा। अंततः यह प्रश्न किसी एक बाबा या किसी एक संगठन का नहीं है। यह उस समाज का प्रश्न है जो कई बार आस्था के नाम पर विवेक को स्थगित कर देता है। जब तक भारत में भक्ति और तर्क के बीच संतुलन नहीं बनेगा, तब तक ऐसे विवाद बार-बार सामने आते रहेंगे। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि वह धर्म का सम्मान करे, लेकिन न्याय को उससे नीचे न रखे।

मानव सेवा हीच ईश्वर सेवा फाउंडेशन ने दिव्यांगों को वितरित किए राशन किट, कराया मिष्ठान्न भोजन

भिवंडी/कल्याण (उत्तरशक्ति)। मानव सेवा हीच ईश्वर सेवा के संकल्प के तहत मानव सेवा हीच ईश्वर सेवा फाउंडेशन द्वारा कल्याण पश्चिम के बेतुरकर पाड़ा स्थित अपंग विकास महासंघ कार्यालय में दृष्टिबाधित एवं दिव्यांगजनों के लिए राशन किट वितरण तथा मिष्ठान्न भोजन कार्यक्रम आयोजित किया गया।फाउंडेशन प्रमुख डा. मनिलाल शिंपी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में डा. किशोर बलिराम पाटिल, डा. यशवंत अनंत म्हात्रे, डा. यशवंत महादु सोरे एवं डा. दिनेशभाई ठक्कर के हस्ते राशन किट वितरित किए गए। किट में चावल, आटा, तेल, दाल, शक्कर, चाय सहित आवश्यक खाद्य सामग्री शामिल थी। इसके अलावा दिव्यांगजनों को भाजी-पूरी, आमरस एवं पुलाव का भोजन भी कराया गया। कार्यक्रम में अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अपंग विकास महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक भोईर ने फाउंडेशन के सेवा कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर डा. यशवंत सोरे ने डा. मनिलाल शिंपी के समाजसेवी कार्यों को प्रेरणादायी बताया, जबकि डा. किशोर पाटिल ने कहा कि फाउंडेशन वर्षों से निस्वार्थ भाव से सामाजिक एवं शैक्षणिक क्षेत्र में कार्य कर जरूरतमंदों की सहायता कर रहा है। कार्यक्रम को सफल बनाने में फाउंडेशन के सदस्यों एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं का विशेष योगदान रहा।

डॉ दयानंद तिवारी ने सदस्यों के साथ विभिन्न जनहित एवं यात्री सुविधाओं के मुद्दों पर की चर्चा चर्चा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मध्य रेलवे के सदस्य प्रोफेसर डॉ दयानंद तिवारी ने डीआरयूसीसी के 166वीं बैठक में शामिल होकर जनहित विषयों को प्रमुखता से उठाया। उनमें एसी लोकल ट्रेनों के विस्तार एवं उनकी उपयोगिता का मुद्दा प्रमुख रहा। आज यह देखकर संतोष होता है कि मध्य रेलवे की एसी लोकल सेवाएँ प्रतिदिन लगभग डेढ़ लाख से अधिक यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं आधुनिक यात्रा सुविधा प्रदान कर रही हैं।

बैठक में यात्रियों की बढ़ती संख्या, उपनगरीय रेल सेवाओं के विस्तार, स्टेशन सुविधाओं के उन्नयन, स्वच्छता, सुरक्षा तथा यात्री हितों से जुड़े अनेक विषयों पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई। डॉ दयानंद तिवारी ने विश्वास जताया कि मध्य रेलवे भविष्य में भी यात्रियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बेहतर एवं आधुनिक सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा। यात्री सुविधाओं के विकास एवं जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से रखने का अवसर देने के लिए मैं मध्य रेलवे प्रशासन एवं डीआरयूसीसी का आभार व्यक्त करता हूँ।

महाराष्ट्र राज्यभर में सुनिश्चित कर रही हैं निर्बाध ईंधन आपूर्ति

मुंबई। इंडियनऑयल महाराष्ट्र राज्यभर में निर्बाध संचालन और लॉजिस्टिक्स समन्वय सुनिश्चित करते हुए प्रत्येक उपभोक्ता के लिए हर दिन पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की सतत उपलब्धता सुनिश्चित कर रहा है।

भारत में नागरिकों के हर सामान्य दिन के पीछे सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों की 247 असाधारण तैयारी होती है, और विकास के आंकड़े इसकी पुष्टि करते हैं। महाराष्ट्र में मई 2026 के दौरान पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में पेट्रोल की खुदरा बिक्री में 22% वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि डीजल की खुदरा बिक्री में 33% की मजबूत वृद्धि हुई है। यह मांग में वृद्धि संस्थागत एवं वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के अन्य आपूर्तिकताओं की तुलना में मूल्य अंतर के कारण इंडियनऑयल रिटेल आउटलेट्स की ओर स्थानांतरित होने तथा मौसमी कृषि गतिविधियों के चलते देखी जा रही है। भारत की निरंतर गतिशीलता के पीछे एक ऐसा नेटवर्क कार्यरत है जो कभी नहीं रुकता – खेतों से लेकर राजमार्गों तक, पहाड़ियों से समुद्री तटों तक, दुर्गम इलाकों से चुनौतीपूर्ण सीमाओं तक,इंडियनऑयल अनिश्चित वैश्विक परिस्थितियों में भी निर्बाध ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित कर रहा है। इंडियनऑयल पुनः आश्वस्त करता है कि देशभर में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। सुचारु, निर्बाध और निरंतर ईंधन आपूर्ति बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं, जो सेवा निरंतरता और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना से प्रेरित हैं।

साक्षी तंवर ने घर की सुपरस्टार्स की भावना को सलाम किया, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर तुम हो ना शो के लिए

मुंबई/पटना। दर्शकों से मिल रहे अपार प्यार को आगे बढ़ाते हुए, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन ने अपने लोकप्रिय शो तुम हो ना घर की सुपरस्टार का एक नया और दिल छू लेने वाला प्रोमो रिलीज किया है। इस प्रोमो में मशहूर अभिनेत्री साक्षी तंवर होस्ट राजीव खंडेलवाल के साथ नजर आ रही हैं। प्रोमो खूबसूरती से उन अनदेखी महिलाओं पर रोशनी डालता है जो हर घर की असली ताकत हैं वो चुपचाप परिवार को संभालती हैं, देखभाल, धैर्य और निस्वार्थ प्रेम से सबको जोड़कर रखती हैं।भारतीय टेलीविजन की सबसे आइकॉनिक और लोगों से जुड़ी किरदार निभाने वाली साक्षी तंवर इस शो की भावनात्मक आत्मा को पूरी तरह से जीती हैं। वह उन महिलाओं का जश्न मनाती हैं जो बिना किसी पहचान चाहे, ज़िम्मेदारियों को सहजता से निभाती हैं, अनगिनत त्याग करती हैं और घर की भावनात्मक रीढ़ बन जाती हैं। प्रोमो में साक्षी तंवर कहती हैं, घर की लाइफलाइन हो, हीरो मेकर, बजट, मैनेजमेंट, एडजस्टमेंट सब में चैंपियन। तो सिर्फ घरवाले ही क्यों बोले ह्युतुम हो ना, पूरे देश को बोलने दो। वह आगे कहती हैं, राजीव, घर के सुपरस्टार्स को मंच देने के लिए धन्यवाद । उनके भावुक संदेश पर राजीव कहते हैं, परिवार चलाने का हुनर, इनाम और नाम दिलाएगा। घर की लाइफलाइन के लिए अब पूरा देश ताली बजाएगा।

अविनाश विद्यापीठ के जूनियर आईएएस बैच का भव्य शुभारंभ

कल्याण/मुंबई (उत्तरशक्ति)। आईएएस बनने की शुरूआत बचपन सेह्व के प्रेरणादायी संकल्प के साथ अविनाश विद्यापीठ द्वारा संचालित जूनियर आईएएस बैच का भव्य उद्घाटन समारोह उत्साह, गरिमा एवं प्रेरणादायक वातावरण के बीच संपन्न हुआ। इस अभिनव पहल का उद्देश्य कक्षा 6वीं से 8वीं तक के विद्यार्थियों में प्रारंभिक स्तर से ही प्रशासनिक सेवाओं के प्रति जागरूकता, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, व्यक्तित्व विकास तथा राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करना है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इंस्पेक्टर गणेश न्हायडे एवं विधायक सुलभा गायकवाड़ की विशेष उपस्थिति रही। दोनों अतिथियों ने विद्यार्थियों को शिक्षा, अनुशासन, लक्ष्य निर्धारण एवं कठिन परिश्रम के महत्व पर मार्गदर्शन देते हुए कहा कि यदि बच्चों को बचपन से सही दिशा और सकारात्मक सोच मिले तो वे भविष्य में देश के कुशल प्रशासक एवं जिम्मेदार नागरिक बन सकते हैं। उन्होंने अविनाश विद्यापीठ की इस अभिनव पहल की मुक्त कंठ से सराहना की।

इस अवसर पर अविनाश विद्यापीठ के संस्थापक एवं निदेशक अविनाश मिश्रा ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि– बच्चों को बचपन से सही मार्गदर्शन, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और सकारात्मक वातावरण मिले तो वे जीवन में बड़े लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। जूनियर आईएएस बैच विद्यार्थियों के अंदर आत्मविश्वास, व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व कौशल और प्रतियोगी सोच विकसित करने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। समारोह में अविनाश मिश्रा के माता-पिता की गरिमामयी उपस्थिति के साथ शिक्षा, समाजसेवा, उद्योग एवं जनप्रतिनिधित्व से जुड़े अनेक सम्मानित व्यक्तियों ने सहभागिता की। प्रमुख रूप से विजय पंडित, विजय उपाध्याय, डॉ. रमाकांत क्षितिज, बृजेश दीक्षित, डॉ. अमर मुन्नेश्वर, प्रतीक तिवारी, नगर सेविका सारिका जाधव, पूजा गायकवाड़, नगर सेवक मनोज राय, निलेश शिंदे, उमेश खराटे, मधुर म्हात्रे, समाजसेवक एवं उद्योगपति कामेश जाधव, दीपक रायसिंघानिया, रोशन पाण्डेय, अजय प्रजापति, सर्वेश उपाध्याय, शेखर पोर्टे, अविनाश गायकवाड़, दुर्गेश पाण्डेय, अभिषेक मिश्रा एवं दिगंबर कारंडे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने भाग लिया। उपस्थित जनों ने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल विद्यार्थियों को बचपन से ही प्रशासनिक सेवाओं के प्रति प्रेरित करेगी तथा उन्हें भविष्य में राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार करेगी। बचपन से नेतृत्व, शिक्षा से व्यक्तित्व और संकल्प से सफलता के संदेश के साथ संपन्न यह समारोह विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक प्रेरणादायक और ऐतिहासिक शुरूआत साबित हुआ।

भायंदर के काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्तों के लिए लगाया गया कूलर

भायंदर (उत्तरशक्ति)। विश्व प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर , वाराणसी की तर्ज पर भायंदर पूर्व के आरएनपी पार्क में प्रख्यात समाजसेवी तथा राहुल एजुकेशन के चेयरमैन पंडित लल्लन तिवारी द्वारा अपने माता-पिता की स्मृति में बनाए गए काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्तों की सुविधा के लिए कूलर लगाया गया। आज पंडित लल्लन तिवारी ने मंदिर में आने वाले भक्तों के लिए इसका शुभारंभ किया। इस अवसर पर समाजसेवी सुनील तावड़े, श्री राम सेवा समिति के अध्यक्ष श्रीराम दुबे, संतोष मिश्रा, विवेक मिश्रा समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। ज्ञातव्य है कि यह मंदिर यहां के लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। यहां पर भगवान शंकर के अलावा अन्य देवी देवताओं की भी मूर्तियां स्थापित की गई है। प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि, स्थापना दिवस, होली तथा अन्य त्योहारों पर यहां धूमधाम से भजन कीर्तन तथा भंडारा का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसके अलावा प्रत्येक शनिवार को सुंदरकांड पाठ तथा खिचड़ी वितरण का कार्यक्रम किया जाता है।

क्राइम ब्रांच सेल-3 की कार्रवाई, अवैध हाथभट्टी ध्वस्त; 62 हजार रुपये से अधिक का माल जब्त

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। क्राइम ब्रांच सेल-3, विरार ने अवैध रूप से संचालित ग्रामीण हाथभट्टी पर छापा मारकर 62 हजार 50 रुपये मूल्य की सामग्री जब्त की है। इस कार्रवाई में बड़ी मात्रा में अवैध शराब निर्माण सामग्री नष्ट की गई तथा एक महिला के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। 30 मई 2026 को विरार पुलिस स्टेशन की सीमा में गश्त के दौरान पुलिस अधिकारी सुनील पाटिल को मुखबिर से सूचना मिली कि विरार पूर्व के बरफपाड़ा स्थित जंगल क्षेत्र में अवैध रूप से हाथ से बनी शराब तैयार की जा रही है। सूचना प्राप्त होने पर अपराध शाखा सेल-3 के पुलिस निरीक्षक को अवगत कराया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निदेर्शानुसार पुलिस टीम ने बरफपाड़ा के जंगल में स्थित अवैध शराब भट्टी पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान कुल 62,050 रुपये मूल्य की सामग्री बरामद की गई। जांच के लिए आवश्यक नमूने सुरक्षित रखने के बाद शेष अवैध शराब, घोल, एल्युमीनियम की टंकियां, बर्तन तथा प्लास्टिक ड्रम आदि पंचों की उपस्थिति में मौके पर ही नष्ट कर दिए गए। जांच के दौरान भट्टी स्थल पर कोई व्यक्ति नहीं मिला। स्थानीय स्तर पर की गई पूछताछ में पता चला कि उक्त हाथभट्टी बरफपाड़ा, विरार पूर्व निवासी श्रीमती सुमन अहेड़ा की है, जो कथित रूप से अवैध शराब निर्माण का कार्य करती थीं। इस संबंध में विरार पुलिस स्टेशन में महाराष्ट्र निषेध अधिनियम, 1949 की धारा 65(ई) के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस निरीक्षक शाहूराज रनवारे के नेतृत्व में एसएफओ शिवाजी पाटिल, पीएवी मुकेश तटकरे, प्रशांत पाटिल, इंद्रनील पाटिल, युवराज वाघमोडे, सुनील पाटिल, सुमित जाधव, पीए दत्तात्रेय जाधव, मनोहर तारडे तथा मसूब सागर सोनवाने सहित क्राइम ब्रांच सेल-3 की टीम द्वारा की गई। कार्रवाई को पुलिस उपायुक्त (अपराध) संदीप डोईफोडे तथा सहायक पुलिस आयुक्त (प्रकटीकरण) मदन बल्लाल के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया।

भिवंडी की पानी समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में बड़ा कदम, जलापूर्ति योजना को मिली 75प्रतिशत मंजूरी

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शहरवासियों की वर्षों पुरानी जलसंकट की समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रस्तावित बढ़ी हुई जलापूर्ति योजना को महत्वपूर्ण गति मिली है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत 24 किलोमीटर लंबी, 1321 मिमी व्यास तथा 12 मिमी मोटाई वाली स्टील की मुख्य जलवाहिनी बिछाई जाएगी, जिससे भिवंडी शहर को पर्याप्त और नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। इस योजना को लेकर राज्य सरकार, बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) तथा संबंधित विभागों के साथ लगातार समन्वय और पत्राचार किया जा रहा है। योजना के लिए आवश्यक विभिन्न अनुमतियों में से लगभग 75 प्रतिशत मंजूरियां प्राप्त हो चुकी हैं। बैठक के बाद विधायक रईस शेख ने बताया कि भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया पूर्ण होते ही परियोजना के कार्य को गति दी जाएगी और अगले दो वर्षों के भीतर योजना को पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना भिवंडी की बढ़ती आबादी और भविष्य की जल आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है तथा इसके पूरा होने के बाद शहर की पानी की समस्या का स्थायी समाधान संभव होगा।

विधायक शेख ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी विभागों के सहयोग से यह महत्वपूर्ण योजना निर्धारित समयसीमा में पूरी होगी और भिवंडी के नागरिकों को पर्याप्त एवं नियमित पेयजल उपलब्ध हो सकेगा।

पेल्हार पुलिस की कार्रवाई में अवैध हाथभट्टी ध्वस्त, 1.07 लाख का माल जब्त

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। पेल्हार पुलिस स्टेशन की अपराध शाखा सेल-3 ने अवैध रूप से संचालित ग्रामीण हाथभट्टी पर छापा मारकर 1 लाख 7 हजार 300 रुपये मूल्य की सामग्री जब्त की है। पुलिस को 29 मई 2026 को गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी कि वसई फाटा स्थित रिचर्ड कंपाउंड के समीप मनीचा पाड़ा के जंगल क्षेत्र में अवैध रूप से हाथ से बनी शराब तैयार की जा रही है। सूचना की पुष्टि होने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर अपराध शाखा सेल-3 की टीम ने मौके पर छापा मारा।

कार्रवाई के दौरान जंगल में बने अस्थायी शेड से बड़ी मात्रा में शराब बनाने की सामग्री, धुलाई, एल्यूमीनियम टंकियां, सैटेल तथा प्लास्टिक ड्रम बरामद किए गए। जांच हेतु आवश्यक नमूने सुरक्षित रखने के बाद शेष सामग्री को पंचों की उपस्थिति में मौके पर ही नष्ट कर दिया गया, क्योंकि उसे वहां से ले जाना संभव नहीं था। जांच के दौरान स्थानीय स्तर पर जानकारी प्राप्त होने पर पता चला कि उक्त हाथभट्टी वसई पूर्व स्थित रिचर्ड कंपाउंड, मनीचा पाड़ा निवासी अनुस्या शिंगाडे की है, जो कथित रूप से अवैध शराब निर्माण का कार्य करती हैं। उनके विरुद्ध पेल्हार पुलिस स्टेशन में महाराष्ट्र निषेध अधिनियम, 1949 की धारा 65(ई) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

यह कार्रवाई निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त, दत्तात्रेय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, संदीप डोइफोडे, पुलिस उपायुक्त (अपराध) मदन बल्लाल सहायक पुलिस आयुक्त (खुलासा) के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक शाहूराज रनवारे तथा अपराध शाखा सेल-3 के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा सफलतापूर्वक अंजाम दी गई।

बदलापुर पूर्व में श्री राम धर्म संस्कृति सेवा संस्था की ओर से श्री रामचरित मानस पाठ ओर भंडारे का आयोजन किया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्री राम धर्म संस्कृति सेवा संस्था बदलापुर के सानिध्य में जनकल्याण हेतु मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की महिमा का बखान करने हेतु भव्य संगीतमय श्री रामचरित मानस पाठ का आयोजन गत दिनों किया गया। जबकि पूणार्हुति हवन के दौरान भंडारा (महाप्रसाद) का आयोजन किया गया । जिसका लाभ हजारों लोगों ने उठाया।कार्यक्रम आई गांवदेवी श्री माधवेश्वर मंदिर शिरगांव,बदलापुर, में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में कुळगांव-बदलापूर नगरपरिषद की नगराध्यक्षा श्रीमती रुचिता राजेंद्र घोरपडे , कोकण विभाग शिक्षक मतदार संघ के विधायक ज्ञानेश्वर म्हात्रे , शिवसेना शहर प्रमुख वामन म्हात्रे , नगरसेवक प्रफुल्ल मोरे नगरसेवक प्रवीण राउत, .लोकप्रिय समाजसेवक बाला राउत समाजसेवक समीर धारवे समाजसेवक सुनील मेने ,नगर सेविका सलोनी पवन पाटिल सहित अनेक लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के आयोजक पंडित विजय पाण्डेय (अध्यक्ष) श्री राम धर्म संस्कृति सेवा संस्था और सभी पदाधिकारी और सदस्यों द्वारा अतिथियों का सम्मान किया गया.. अंत में संस्था के अध्यक्ष पंडित विजय पाण्डेय और संस्था के सदस्यो ने सभी सनातनी भक्तो अतिथियों और ग्रामवासियों का हृदय कंठ से धन्यवाद किया...और आने वाले समय में और भी ऐसे ही भव्य दिव्य सनातन संस्कृति को जगाने का कार्य करेंगे। बता दें कि संस्था की ओर से समय समय पर भागवत कथा, अखंड रामायण और अन्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इसके अलावा हर शनिवार को सुंदरकांड पाठ का निरंतर कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

श्रीलंका में फॉक्सवैगन ब्रांड की लॉन्चिंग की घोषणा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (रअश्हक्ढछ) ने आज श्रीलंका में फॉक्सवैगन ब्रांड की लॉन्चिंग की घोषणा की। यह कदम कॉन्टिनेंटल कार्स एंड कमर्शियल्स लिमिटेड के साथ साझेदारी में उठाया गया है और कंपनी की क्षेत्रीय विकास यात्रा में एक अहम पड़ाव साबित होगा। साथ ही यह बाजार के प्रति कंपनी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है। फॉक्सवैगन ब्रांड श्रीलंका में दो ग्लोबली प्रशंसित मॉडल्स फॉक्सवैगन टाइगुन रवश और वर्टस सेडान के साथ प्रवेश कर रहा है। ये मॉडल यूरोपीय गुणवत्ता वाले प्रोडक्ट्स, मजबूत सुरक्षा मानकों और प्रीमियम ओनरशिप एक्सपीरियंस का संगम हैं, जिन्हें विश्वस्तरीय सेल्स और आफ्टर सेल्स सर्विस का समर्थन प्राप्त है। दोनों मॉडल्स का निर्माण पुणे, भारत स्थित रअश्हक्ढछ के अत्याधुनिक चाकन प्लांट में किया जाता है और इन्हें विश्वभर के बाजारों में निर्यात किया जाता है। यह कंपनी की ह्लमेड इन इंडिया फॉर इंडिया अँड द वर्ल्डह्व रणनीति की मजबूती को दशार्ता है।

इस अवसर पर बोलते हुए, पियूष अरोड़ा, प्रबंध निदेशक और सीईओ, स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने कहा, ह्लश्रीलंका ऐसा बाजार है जहाँ ऑटोमोबाइल के प्रति गहरी रुचि और गुणवत्ता इंजीनियरिंग की सराहना है। फॉक्सवैगन का प्रवेश केवल हमारे विस्तार का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह हमारी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है जिसमें हम अपने स्केल, लोकलाइजेशन और इंजीनियरिंग क्षमताओं का उपयोग कर भारत से बाहर भी टिकाऊ विकास करेंगे। कॉन्टिनेंटल कार्स एंड कमर्शियल्स लिमिटेड के साथ साझेदारी में हमें गर्व है कि हम श्रीलंका में फॉक्सवैगन पेश कर रहे हैं, शुरूआत टाइगुन रवश और वर्टस सेडान से। हमारा ध्यान भरोसा बनाने पर है विश्वसनीयता, ग्राहक केंद्रितता और मजबूत सर्विस सपोर्ट से समर्थित प्रीमियम ओनरशिप एक्सपीरियंस। जान बुरेस, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, सेल्स, मार्केटिंग और डिजिटल, स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने कहा, ह्लटाइगुन और वर्टस के साथ हम ऐसे दो उत्पाद पेश कर रहे हैं जो श्रीलंका के प्रीमियम पैसेंजर व्हीकल मार्केट में ग्राहकों की स्पष्ट प्राथमिकताओं को पूरा करते हैं। हमारा ध्यान फॉक्सवैगन ब्रांड को सही प्रोडक्ट मिक्स, मजबूत रिटेल उपस्थिति और भरोसेमंद आफ्टर

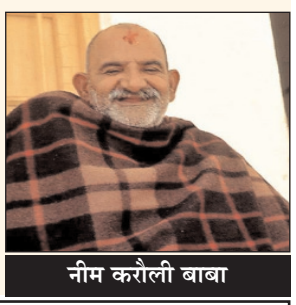

नीम करौली बाबा

अवैध स्टॉल को किसके संरक्षण में मिला बिजली मीटर, करंट लगने से गरीब जूस विक्रेता गौतम सुतार की मौत, मनपा और नेताओं पर गंभीर आरोप

उदयभान गुप्ता

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर के प्रभाग क्रमांक 4 क्षेत्र में सड़क किनारे लगे एक अवैध स्टॉल में खुले बिजली तार की चपेट में आने से जूस विक्रेता गौतम सुतार की दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बिजली लीकेज के कारण उन्हें जोरदार करंट लगा, जिससे मौके पर ही उनकी जान चली गई। इस घटना के बाद इलाके में भारी आक्रोश फैल गया है। स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकताओं ने मनपा प्रशासन , नगरसेवकों और संबंधित अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। समाजसेवी बलमा बाजी ने आरोप लगाया कि इलाके में अवैध स्टॉलों से नगरसेवकों और मनपा कर्मचारियों द्वारा कथित रूप से हर महीने हफ्ता वसूला जाता था। इसी संरक्षण के चलते अवैध स्टॉलों को बिजली मीटर और अवैध तरीके से बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराए गए, जिसकी लापरवाही ने आज एक गरीब परिवार का सहारा छीन लिया। स्थानीय नेताओं का कहना है कि गरीबों के लिए वैकल्पिक मार्केट और रोजगार की व्यवस्था करने के बजाय उन्हें सड़क किनारे दुकान लगाने के लिए मजबूर किया गया। सुरक्षा नियमों की अनदेखी और अवैध बिजली कनेक्शनों के कारण यह हादसा हुआ। मृतक गौतम सुतार अपने पीछे छोटी बच्ची और मानसिक रूप से अस्वस्थ पत्नी को छोड़ गए हैं। घटना के बाद नागरिकों में भारी नाराजगी है और दोषी अधिकारियों, नगरसेवकों व संबंधित कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग उठ रही है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जिलाधिकारी ने जिला कारागार का किया औचक निरीक्षण

◆ बैरकों की तलाशी में नहीं मिली कोई आपत्तिजनक वस्तु

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन ने शनिवार को जिला कारागार का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान बैरकों की सघन तलाशी ली गई, जिसमें कोई भी आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई।

जिलाधिकारी ने कारागार में निरुद्ध बंदियों से संवाद कर उनका हालचाल जाना तथा उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने जेल अस्पताल का निरीक्षण किया और भर्ती बंदियों से स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में बातचीत की। बंदियों ने बताया कि उन्हें समय पर दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं तथा उचित उपचार मिल रहा है।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारागार की पाकशाला में पहुंचकर भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की। समग्र निरीक्षण में किसी प्रकार की गंभीर समस्या सामने नहीं आई।

जिलाधिकारी ने जेल प्रशासन को निर्देश दिए कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रखी जाए तथा बंदियों को शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. प्रभात कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

रामदयालगंज बाजार में घरों से सटाकर ले जाया जा रहा 33 हजार किलोवाट का विद्युत तार

लोक शक्ति उद्योग व्यापार मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में व्यापारियों ने सौंपा ज्ञापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लोक शक्ति उद्योग व्यापार मण्डल प्रदेश अध्यक्ष श्रवण जायसवाल की अगुवाई में जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. को सम्बोधित ज्ञापन न्यायिक मजिस्ट्रेट शाहगंज रानी गरिमा जायसवाल को सौंपा गया।

इस मौके पर श्री जायसवाल ने कहा कि रामदयालगंज बाजार के दोनों छोर से हाईटेंशन लाइन 33 हजार किलोवाट मकान के बाजार से सटाकर ले जाया जा रहा है। वह भी हाई कोर्ट के रोक के बावजूद बिजली विभाग ने मानव मूल्यों के तिलांजलि देते हुये तथा होने वाली अनहोनी के प्रति आंख मूंद करके विभाग द्वारा रात के समय चुपके से लाइन बिछाना घोर अपराध की श्रेणी में आता है। बिजली विभाग की इस मनमानी पूर्ण रवैया को व्यापार मण्डल बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने जिलाधिकारी से तत्काल हस्तक्षेप करके उक्त हाईटेंशन तार 33000 वाट को अण्डरग्राउण्ड के माध्यम से ले जाने का काम करें जिससे भविष्य में होने वाली जनहानि से बचा जा सके। साथ ही यह भी कहा कि यदि गम्भीरता से नहीं लिया गया तो बाजारवासियों का भविष्य मौत के मुहाने पर खड़ा है जो कभी भी गलत हो जायेगा।

इसी क्रम में प्रदेश महामंत्री अनवारूल हक ने कहा कि विषय बहुत गम्भीर है। समय रहते प्रशासन ने उचित कदम नहीं उठाया तो व्यापार मण्डल बड़े आन्दोलन को बाध्य होगा। उक्त अवसर पर अमरनाथ मोदनवाल, सुनील चौरसिया, मनोज जायसवाल, राजेश यादव, धर्मेन्द्र अग्रहरी, कमल चन्द्र अग्रहरी, मुन्ना लाल गुप्ता, छेदी लाल मोदनवाल, रामेश्वर जायसवाल, प्रधान लवकुश यादव, आदिब अली, राकेश कुमार, सत्यम मोदनवाल, पवन कुमार सहित सैकड़ों व्यापारी मौजूद रहे।

हिन्दी पत्रकारिता जितनी सशक्त होगी, लोकतंत्र उतना ही मजबूत बनेगा: प्रो.वंदना सिंह

हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष और नई पीढ़ी की भूमिका पर दो राष्ट्रीय वेबिनार संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग, कम्युनिकेशन टुडे (त्रैमासिक मीडिया जर्नल, जयपुर) तथा भारती विद्यापीठ इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को हिन्दी पत्रकारिता विषयक दो राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किए गए। वेबिनारों में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, मीडिया संस्थानों एवं शोध संस्थाओं से जुड़े शिक्षकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों और मीडिया पेशेवरों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

प्रथम राष्ट्रीय वेबिनार 'हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्षः परंपरा, परिवर्तन और भविष्य' विषय पर आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि हिन्दी पत्रकारिता की यात्रा उदन्त मार्तण्ड से प्रारंभ होकर आज रेडियो, टेलीविजन और वेब मीडिया के विभिन्न मंचों से गुजरते हुए वैश्विक स्तर पर अपनी सशक्त एवं विशिष्ट पहचान स्थापित कर चुकी है। उन्होंने कहा कि हिन्दी पत्रकारिता केवल समाचारों के प्रसार का माध्यम नहीं, बल्कि आमजन की आवाज, लोकतांत्रिक मूल्यों की संरक्षक तथा सामाजिक चेतना की संवाहक रही है। हिन्दी पत्रकारिता जितनी अधिक सशक्त, विश्वसनीय और समृद्ध होगी, देश का लोकतंत्र भी उतना ही अधिक मजबूत और जनोन्मुखी बनेगा।

मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार संपादक दैनिक यशोभूमि, मुंबई श्रीनारायण तिवारी ने कहा कि हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्षों के इतिहास में अनेक परिवर्तन हुए हैं और उसने अनेक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का युग है, लेकिन यह कभी भी मानवीय बौद्धिक क्षमता का विकल्प नहीं बन सकती। उन्होंने कहा कि प्रिंट मीडिया में प्रकाशित समाचारों की विश्वसनीयता आज भी डिजिटल माध्यमों की तुलना में अधिक है।

मुख्य वक्ता संपादक, संचार माध्यम एवं भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली के प्रो. प्रमोद कुमार ने कहा कि पत्रकारिता को समाज के रचनात्मक और सकारात्मक पक्ष को पाठकों के सामने लाना होगा। उन्होंने कहा कि आज का पाठक समाचारों में सकारात्मक दृष्टिकोण और रचनात्मक सामग्री को अधिक महत्व देता है। भारती विद्यापीठ के निदेशक प्रो. एम.एन. होडा ने एआई की बढ़ती चुनौतियों पर ध्यान आकृष्ट कराया।

इसके बाद आयोजित दूसरे राष्ट्रीय वेबिनार 'नई पीढ़ी की नजर से हिन्दी पत्रकारिता' में पूर्व डीन, एकेडमिक अफेयर्स, एम.डी. यूनिवर्सिटी, रोहतक के प्रो. हरीश कुमार तथा अध्यक्ष पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक (मध्य प्रदेश) के प्रो. राघवेंद्र मिश्र ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने हिन्दी पत्रकारिता की समृद्ध परंपरा, वर्तमान चुनौतियों, डिजिटल मीडिया के बढ़ते प्रभाव तथा भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। वेबिनार में शोधपत्रों की प्रस्तुति भी हुई।

आयोजन सचिव एवं अध्यक्ष, जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर प्रो. मनोज मिश्र ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन संपादक, कम्युनिकेशन टुडे, प्रो. संजीव भनावत संयोजन प्रियंका सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने किया।

वेबिनार के सफल आयोजन में जयंत राठी, पुष्पेंद्र सचान, डॉ. पृथ्वी सेंगर तथा आयोजन समिति के अन्य सदस्यों का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर प्रो. बाला लखेंद्र, डॉ. चंदन सिंह, डॉ. अवध बिहारी सिंह, समेत देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों से जुड़े अनेक शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी और मीडिया पेशेवर ऑनलाइन माध्यम से वेबिनार में जुड़े रहे।

विधायक डॉ.रागिनी सोनकर ने किया निगोह-गोधना मार्ग के चौड़ीकरण कार्य का शिलान्यास

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर विधानसभा क्षेत्र की विधायक डॉ.रागिनी सोनकर ने क्षेत्र के विकास को नई गति देते हुए निगोह-गोधना मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का उद्घाटन/शिलान्यास किया। इस दौरान क्षेत्रीय लोगों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। स्थानीय जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए शुरू किए गए इस महत्वपूर्ण सड़क परियोजना से क्षेत्र के दर्जनों गांवों को सीधा लाभ मिलेगा। सड़क के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण के बाद लोगों को आवागमन में काफी सहूलियत मिलेगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी।

विधायक डॉ.रागिनी सोनकर ने कहा कि क्षेत्र का विकास उनकी प्राथमिकता है और जनता की समस्याओं का समाधान लगातार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़कें विकास की आधारशिला होती हैं, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार जैसी सुविधाओं तक लोगों की पहुंच आसान होती है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मछलीशहर में डिलीवरी के दौरान नवजात की मौत, अस्पताल में हंगामा

परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप, डॉक्टर व स्टाफ फरार

अरशद अली

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के चुंगी चौराहा स्थित जीवन रक्षा हॉस्पिटल में शुक्रवार को डिलीवरी के दौरान नवजात शिशु की मौत हो जाने से परिजनों में आक्रोश फैल गया। घटना के बाद अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा हुआ। सूचना मिलते ही मौके पर आसपास के लोगों की भारी भीड़ जुट गई।

जानकारी के अनुसार प्रसूता अंजू पत्नी विनोद कुमार (उम्र लगभग 25 वर्ष) निवासी बेरमाव का मायका ग्राम तटिहरा में है। बताया जा रहा है कि यह उनका पहला बच्चा था। नवजात की मौत के बाद परिवार में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि समय पर उचित इलाज न मिलने के कारण बच्चे की जान चली गई। आरोप है कि घटना के बाद अस्पताल के डॉक्टर और स्टाफ मौके से फरार हो गए, जिससे लोगों का गुस्सा और बढ़ गया। आक्रोशित परिजन अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर देर तक प्रदर्शन करते रहे।

घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। वहीं स्वास्थ्य विभाग को भी मामले की जानकारी दे दी गई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में संचालित निजी अस्पतालों की नियमित जांच न होने के कारण आए दिन इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं। लोगों ने दोषी अस्पताल प्रशासन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जौनपुर के संदीप सिंह, अशोक मिश्रा और आजाद बिंद दूल्हा के हत्यारों को गिरफ्तार कर कड़ी सजा दी जाए: मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने एक बयान जारी कर उत्तर प्रदेश में बढ़ती आपराधिक घटनाओं और हत्याओं पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है और अपराधियों में कानून का भय समाप्त होता दिखाई दे रहा है।

उन्होंने कहा कि जौनपुर में कल ही तेजी बाजार धाना क्षेत्र के कान्हापुर गांव की चौहान बस्ती में एक व्यक्ति अशोक मिश्रा की जलाकर हत्या कर दी गई, जबकि लखनऊ में जौनपुर निवासी संदीप सिंह की दो दिन पूर्व निर्मम हत्या कर दी गई। प्रदेश में लगातार हो रही ऐसी घटनाएं सरकार की कानून-व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती हैं।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि जौनपुर के बड़ऊर-जपटापुर के बहुचर्चित आजाद बिंद (दूल्हा) हत्याकांड के मुख्य आरोपी भी अभी तक गिरफ्तार नहीं किए जा सके हैं, जिससे पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने प्रदेश सरकार एवं पुलिस प्रशासन से मांग की है कि आजाद बिंद (दूल्हा) हत्याकांड के मुख्य आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही अशोक मिश्रा हत्याकांड, संदीप सिंह हत्याकांड तथा अन्य गंभीर आपराधिक मामलों के अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित कर उन्हें कानून के अनुसार कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए।

ईद के मौके पर शाही ईदगाह पहुंचीं विधायक डॉ.रागिनी सोनकर, दिया भाईचारे और अमन का संदेश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ईद-उल-अजहा के पावन अवसर पर मछलीशहर विधानसभा क्षेत्र की विधायक डॉ. रागिनी सोनकर शाही ईदगाह पहुंचीं, जहां उन्होंने क्षेत्रवासियों को ईद की दिली मुबारकबाद दी और सभी के सुख-समृद्धि की कामना की।

इस दौरान विधायक ने लोगों से मुलाकात कर त्योहार की खुशियां साझा कीं तथा समाज में आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे को मजबूत बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि ईद-उल-अजहा त्याग, इंसानियत और एकता का संदेश देने वाला पर्व है, जो समाज को जोड़ने का काम करता है। शाही ईदगाह में विधायक डॉ. रागिनी सोनकर का स्थानीय लोगों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नगर पालिका बैठक में डेढ़ घंटे तक 'हाईवोल्टेज ड्रामा'

बिना अनुमति बजट-टेंडर पास कराने पर घिरीं अध्यक्ष

सभासदों के आगे झुकीं अध्यक्ष मनोरमा मौर्य, 3 साल में सिर्फ 3 बैठकें

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक को अखाड़े में बदल हो गई। सभासदों के तीखे तेवरों और भारी हंगामे के कारण बैठक करीब डेढ़ घंटे तक ठप रही। नाराज सभासदों ने नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्य पर नियमों को ताक पर रखने और बिना बोर्ड की अनुमति के करोड़ों का बजट और टेंडर पास कराने का गंभीर आरोप लगाया। चौतरफा घिरने के बाद आखिरकार अध्यक्ष को अपनी गलती माननी पड़ी और बैकफुट पर आना पड़ा।

हंगामे की मुख्य वजहें: क्यों भड़के सभासद

नियमों की अनदेखी:- सभासदों का आरोप है कि नियम के मुताबिक साल में 6 बैठकें होनी चाहिए, लेकिन बीते 3 साल में महज 3 बैठकें ही कराई गईं।

अंधेरे में रखकर पास किया बजट:- कटघरा वार्ड के सभासद मुकेश सिंह, दीपक जायसवाल, रेनू पाठक और अल्मास अहमद सिद्दीकी ने मोर्चा खोलते हुए कहा कि बिना सदस्यों की अनुमति के ही बजट और टेंडर पास कर लिए गए।

पुरानी बैठक का गुस्सा:- 8 महीने पहले भी सभासदों के सवालों का जवाब न मिलने पर बैठक स्थगित हुई थी, जिसका गुस्सा इस बैठक में फूट पड़ा।

आक्रोशित सभासदों का अल्टीमेटम:- जब तक अध्यक्ष अपनी गलती स्वीकार नहीं करेंगी, तब तक कार्यवाही आगे नहीं बढ़ेगी। अध्यक्ष को झुकना पड़ा, लिखित आश्वासन के बाद शांत हुआ मामला।

डेढ़ घंटे तक चले हाई-वोल्टेज ड्रामे के बाद अध्यक्ष मनोरमा मौर्य ने सभासदों के सामने घुटने टेके। उन्होंने आश्वासन दिया कि अब से हर दो महीने में बोर्ड की बैठक बुलाई जाएगी। इसके बाद ही मामला शांत हुआ और लाइसेंस शुल्क व नामांतरण प्रक्रिया को मंजूरी मिल सकी।

फैक्ट्री का ताला तोड़ चोरी, चार पर मुकदमा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुरेरी थाना क्षेत्र के रामपुर निष्फी गांव में संचालित एक गारमेंट फैक्ट्री से सिलाई मशीन और तैयार शर्ट चोरी किए जाने के मामले में पुलिस ने ग्राम प्रधान पति व प्रधान के जेठ समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है। रामपुर निष्फी गांव निवासी अमृत लाल पटेल पुत्र स्वर्गीय शीतला पटेल ने सुरेरी थाने में दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि पूरेदयाल- नगेसरा मार्ग स्थित उनका गारमेंट कारखाना पंधारी पटेल के मकान में किराए पर संचालित होता है।

आरोप है कि बीते मंगलवार की दोपहर रमेश धीवर पुत्र सीताराम धीवर, संजय यादव (प्रधान के जेठ) पुत्र स्वर्गीय रामाशंकर यादव, विनोद यादव (प्रधान पति) पुत्र स्वर्गीय रामाशंकर यादव तथा गोलू धीवर पुत्र रमेश धीवर कारखाने पर पहुंचे और ताला तोड़कर अंदर रखी तीन सिलाई मशीन तथा करीब 450 पीस तैयार शर्ट उठा ले गए। पीड़ित के अनुसार घटना की जानकारी मकान मालिक पंधारी पटेल ने उन्हें दी, जिसके बाद उन्होंने तत्काल सुरेरी थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी।

पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद गुरुवार देर रात भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। थानाध्यक्ष सुरेरी दिव्य प्रकाश सिंह ने बताया कि चोरी की तहरीर मिलने के बाद मामले की जांच कराई गई। जांच में घटना प्रथम दृष्टया सत्य पाए जाने पर आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सेवा भारती के 'किशोरी विकास प्रशिक्षण वर्ग' का समापन

संस्कार, स्वावलंबन और सशक्तिकरण का दिखा अद्भुत संगम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सेवा भारती समिति काशी प्रान्त के तत्वावधान में आयोजित 'किशोरी विकास प्रशिक्षण वर्ग' का कल देर शाम दीक्षांत समारोह के साथ भव्य समापन हुआ। जिसमें किशोरियों के सर्वांगीण विकास पर जोर देते हुए संस्कार, स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण का एक अद्भुत संगम देखने को मिला।

इस अवसर पर सेवा भारती जौनपुर के विभाग अध्यक्ष डॉ तेज सिंह, जिला अध्यक्ष अनिल गुप्ता, विशिष्ट अतिथि विनीत सेठ, विशिष्ट अतिथि सूर्य प्रकाश सिंह मुन्ना, क्षेत्र संयोजिका शारदा जी, वर्गाधिकारी डॉ वंदना सरकार, प्रान्त मंत्री डॉ संध्या सिंह, वर्ग कार्यवाहिका नीतू सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता रश्मि सिंह, जिला महामंत्री देवेश गुप्ता, विभाग से रोहित मिश्र, जिला सेवा प्रमुख राजीव सिंह एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली किशोरियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया, जिससे उनमें नया आत्मविश्वास और समाज के प्रति सेवा का भाव साफ नजर आ रहा था।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता प्रांत उपाध्यक्ष गुलाबचंद श्रीवास्तव ने कहा कि किशोरियाँ हमारे समाज की रीढ़ हैं। उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना ही देश को उन्नति के पथ पर ले जाना है। इस वर्ग के माध्यम से किशोरियों को न केवल नैतिक मूल्यों और भारतीय संस्कृति के संस्कारों से जोड़ा गया, बल्कि उन्हें व्यवहारिक जीवन में उपयोगी विभिन्न कौशलों का प्रशिक्षण देकर स्वावलंबी बनने की राह भी दिखाई गई।

इस किशोरी विकास प्रशिक्षण वर्ग के दौरान किशोरियों को स्वास्थ्य, स्वच्छता, गृह प्रबंधन, स्वरोजगार परक कौशल और आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए। इसके साथ ही, व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व क्षमता बढ़ाने के लिए विशेष सत्र आयोजित किए गए। प्रशिक्षण वर्ग का मुख्य उद्देश्य किशोरियों को मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाना रहा, ताकि वे भविष्य की चुनौतियों का डटकर सामना कर सकें।

प्रशिक्षण वर्ग को सफल बनाने में सेवा भारती के पदाधिकारी, स्थानीय प्रबुद्ध जन, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में मातृशक्तियों का योगदान रहा। उपस्थित सभी ने सेवा भारती के इस पुनीत कार्य की सराहना की और समाज में ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर कोषाध्यक्ष सुजीत अग्रहरि, प्रचार प्रमुख सुधीर सिंह, नारायण चौरसिया, ब्रह्मेश शुक्ल, प्रदीप सिंह रिंकू, विवेक सिंह, दिलीप सिंह, रजनीश शर्मा, ओमित साहू, डॉ माधुरी सिंह, बिमला सिंह, नयनतारा,स्वप्निल सिंह, किरण सिंह, सुचिता, मीना यादव, सुषमा श्रीवास्तव, प्रीति गुप्ता, अर्चना सिंह, दीपक सिंह डॉ मनीष गुप्ता, ओम प्रकाश मौर्य, राजेश कुमार, अजय कुमार उपाध्याय,संदीप विश्वकर्मा, गौरव सिंह, रवि शंकर यादव सहित तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड-2026 को लेकर हुई बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड-2026 को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्री सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार सायं बैठक आयोजित की गई।

बैठक में आगामी संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड-2026 दिनांक 31 मई 2026 को दो पालियों में (प्रथम पाली प्रातः 09:00 बजे से 12:00 बजे तक द्वितीय पाली अपराह्न 02:00 बजे से 05:00 बजे तक) सकुशल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता बनाए रखने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाए तथा पेयजल, विद्युत, सीसीटीवी कैमरा, बैठने की समुचित व्यवस्था सहित सभी मूलभूत सुविधाएं समय से सुनिश्चित कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान शासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पूर्ण अनुपालन कराया जाए तथा इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी।

परीक्षा को पारदर्शी एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने हेतु 19 सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं 37 स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। जनपद में कुल 37 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिन पर कुल 17,144 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा अवधि के दौरान सतत निगरानी बनाए रखें तथा सभी व्यवस्थाओं का समय से सत्यापन सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व परमानंद झा, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, नगर मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह, सह जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश यादव, विवेक सिंह केंद्राध्यक्ष सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता संग्राम से आज तक हिंदी पत्रकारिता का महत्वपूर्ण योगदान : शशिमोहन सिंह क्षेम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। हिंदी पत्रकारिता का स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज तक देश व समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उक्त विचार जौनपुर पत्रकार संघ के अध्यक्ष शशिमोहन सिंह क्षेम ने हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में व्यक्त किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहाकि आज देश के लाखों युवा हिंदी समाचार पत्रों को पढ़कर उनसे ज्ञान अर्जित करके विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो रहे हैं। उन्होंने आज के दौर में पत्रकारिता के क्षेत्र में आ रही गिरावट पर भी चिंता व्यक्त की। श्री क्षेम ने कहाकि आज उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय भी समाचार पत्रों में प्रकाशित समस्याओं पर संज्ञान लेकर कार्यवाही भी रहा है। ऐसे में पत्रकारों को सजग होकर कलम चलाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में बोलते हुए वरिष्ठ पत्रकार रामश्रृंगार शुक्ल गदेला ने कहाकि दो सौ वर्षों पूर्व पं. जुगल किशोर ने कलकत्ता से उदन्त मार्तण्ड नामक पत्र प्रकाशित करके हिंदी पत्रकारिता की नींव डाली थी। उस समय देश गुलामी की बेडियों में जकड़ा हुआ था। बाद में गणेशशंकर विद्यार्थी ने प्रताप समाचार पत्र का प्रकाशन आरंभ किया। पत्रकार लोलारख दूबे ने कहाकि इलेक्ट्रानिक मीडिया के दौर में भी प्रिंट मीडिया का महत्व कम नहीं हुआ है। छात्रों और नौजवानों के समाचार पत्रों से राजनीति, उद्योग, कला साहित्य आदि क्षेत्रों में मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। उक्त अवसर पर डा. भारतेन्दु मिश्र, प्रदीप सिंह सफायर, पं. रामदयाल द्विवेदी, राजेश मौर्य, विनोद विश्वकर्मा, अखिलेश तिवारी अकेला, जेपी मौर्य, सुधीर सिंह, जुल्पिफकार हुसैन बाबू, चन्द्रप्रकाश शुक्ल, पंकज, गौरव, शशिशेखर सिंह, राजेश मिश्र, बेहोश जौनपुरी, बुद्धिनाथ तिवारी आदि मौजूद रहे। संचालन डा. मधुकर तिवारी ने किया।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जौनपुर में चला जागरूकता अभियान, तंबाकू मुक्त समाज बनाने का लिया संकल्प

प्रियेश गुप्ता रुद्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर शनिवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, जौनपुर में व्यापक जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत हस्ताक्षर अभियान, जागरूकता गोष्ठी एवं तंबाकू मुक्त समाज निर्माण की शपथ दिलाकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रभात सिंह ने कहा कि इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस की थीम "Unmasking the Appeal: Countering Nicotine and Addiction" रखी गई है, जिसका उद्देश्य निकोटीन और तंबाकू उत्पादों के आकर्षण के पीछे छिपे खतरों को उजागर करना तथा लोगों को इसके प्रति जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि तंबाकू का सेवन कैंसर, क्षय रोग (टीबी), उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, मधुमेह और श्वसन संबंधी कई गंभीर बीमारियों का प्रमुख कारण है। तंबाकू न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार और समाज पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उपस्थित नागरिकों ने तंबाकू से दूर रहने तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। युवाओं से विशेष रूप से अपील की गई कि वे नशे की लत से बचें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं। इस अवसर पर जिला पुरुष चिकित्सालय में संचालित तंबाकू उन्मूलन केंद्र की जानकारी भी साझा की गई, जहां तंबाकू छोड़ने के इच्छुक लोगों को परामर्श एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से अपील की कि वे अपने और अपने परिवार के बेहतर स्वास्थ्य के लिए तंबाकू उत्पादों का सेवन पूरी तरह त्यागें तथा समाज को नशामुक्त बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं।

मिशन से एआई युग तक पहुंची हिंदी पत्रकारिता: डॉ सुनील कुमार

दो शतक पूरे होने पर आयोजित गोष्ठी में पत्रकारों को किया गया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। हिंदी पत्रकारिता दिवस के 200 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उत्तर प्रदेश एसोसिएशन आफ जर्नलिस्ट, जय हिंद राष्ट्रीय पत्रकार संगठन एवं भदोही ज्ञानपुर जिला पत्रकार एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को आयोजित विचार गोष्ठी में पत्रकारिता के बदलते स्वरूप, चुनौतियों और सामाजिक दायित्वों पर गंभीर मंथन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने उदन्त मार्तण्ड से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर तक हिंदी पत्रकारिता की यात्रा को लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत बताया। इस अवसर पर पत्रकार संगठनों की ओर से मुख्य अतिथि डॉक्टर सुनील कुमार को भदोही कर्मभूमि में पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि ह्लहिंदी पत्रकारिता केवल समाचारों का माध्यम नहीं रही, बल्कि इसने देश की सामाजिक चेतना, स्वतंत्रता आंदोलन और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का कार्य किया है। आज एआई और डिजिटल मीडिया के दौर में पत्रकारिता की गति तो बढ़ी है, लेकिन विश्वसनीयता और मानवीय संवेदनाओं को बचाए रखना सबसे बड़ी चुनौती है। ऐसे समय में पत्रकारों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि वे समाज को तथ्यात्मक, निष्पक्ष और सकारात्मक दिशा देने वाली खबरें दें। लोकतंत्र में मुख्य वक्ता के रूप में जय देश समाचार पत्र के समाचार संपादक राम आसरे सिंह ने कहा कि ह्लउदन्त मार्तण्ड से शुरू हुई हिंदी पत्रकारिता की यात्रा आज मोबाइल स्क्रीन और एआई प्लेटफॉर्म तक पहुंच चुकी है। पहले पत्रकारिता मिशन थी, अब प्रोफेशन और तकनीक का मिश्रण बन गई है। पत्रकारिता तभी मजबूत रहेगा जब पत्रकारिता निर्भीक और जनपक्षधर बनी रहे। ज्ञानपुर से विधायक विपुल दुबे ने कहा कि बदलते डिजिटल युग में पत्रकारिता को सत्य, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ आगे बढ़ना चाहिए। जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र की आवाज होते हैं और समाज को सही दिशा देने का कार्य करते हैं। नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम दास गुप्ता ने कहा कि पत्रकार समाज और प्रशासन के बीच मजबूत सेतु का कार्य करते हैं। कार्यक्रम के संयोजक भदोही ज्ञानपुर जिला पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गोयल और संचालन उपज भदोही के वीरेंद्र चतुर्वेदी ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पत्रकार, बुद्धिजीवी और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ब्लेंडर्स प्राइड पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर ने पेशकिया रिजर्व्ड एक्सपीरियंसेज: मल्टी-सेंसरीअनुभव के जरिए फ्लेवर को दी नई पहचान

ठाणे। ब्लेंडर्स प्राइड पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटरने ब्लेंडर्स प्राइड रिजर्व्ड एक्सपीरियंसेज नामक एक नएसांस्कृतिक मंच की शुरूआत की है, जिसका उद्देश्य फ्लेवरको केवल स्वाद तक सीमित न रखते हुए उसे सभी इंद्रियोंसे महसूस किए जाने वाले अनुभव में बदलना है। ऐसे समय में जब उपभोक्ता अधिक अर्थपूर्ण और प्रीमियमअनुभवों की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जो उनकी बदलतीपसंद और जीवनशैली को दशार्ते हैं, ब्लेंडर्स प्राइड रिजर्व्डएक्सपीरियंसेज इसी बदलाव को ध्यान में रखते हुए फ्लेवरको एक नई अभिव्यक्ति के रूप में प्रस्तुत करता है।

रिजर्व्ड इन एवरी सेंस की अवधारणा पर आधारित यह मंचफ्लेवर को एक बहुआयामी यात्रा के रूप में प्रस्तुत करता है– जिसे केवल चखा ही नहीं, बल्कि देखा,

सुना, महसूस औरअनुभव भी किया जा सकता है। शेफ कुणाल कपूर के साथ मिलकर तैयार किए गए इसविशेष अनुभव में एक निजी और एक्सक्लूसिव प्रस्तुति दीगई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एक लाइव गैस्ट्रो-परफॉर्मेंसथा, जिसमें संगीत और फ्लेवर को रियल टाइम में एक साथप्रस्तुत किया गया। इसमें टेक्सचर, खुशबू और संगीत कोलय को जोड़कर एक अनोखा बहु-इंद्रिय अनुभव तैयार कियागया।

इस आयोजन की खास बात यह रही कि फ्लेवर को केवलस्वाद तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे विभिन्नइमर्सिव स्पेस के जरिए अलग-अलग रूपों में प्रस्तुत कियागया। इनमें विजुअल इंस्टॉलेशन, खुशबू आधारित अनुभव, स्पर्श आधारित गतिविधियां और विशेष टेस्टिंग अनुभवशामिल थे। एक विकसित होते सांस्कृतिक मंच के रूप में कल्पित, ब्लेंडर्स प्राइड रिजर्व्ड एक्सपीरियंसेज ने गुरुग्राम और चंडीगढ़ के बाद जयपुर में अपनी प्रस्तुति दी, जबकि इसका अगला पड़ाव कोलकाता होगा।

इस अनुभव पर बात करते हुए शेफ कुणाल कपूर ने कहा,अपने वास्तविक स्वरूप में फ्लेवर कई परतों और अनुभवोंसे बना होता है। रिजर्व्ड एक्सपीरियंसेज के जरिए हमनेफ्लेवर को प्लेट से आगे ले जाकर अलग-अलग रूपों मेंप्रस्तुत किया है, ताकि लोग इसे अधिक गहराई और नएअंदाज में महसूस कर सकें। पर्नोड रिकार्ड इंडिया की सीएमओ देबाश्री दासगुप्ता ने कहा, आज के उपभोक्ता ऐसे अनुभवों की तलाश में हैं, जो केवलउपयोगिता तक सीमित न होकर अधिक खास, प्रीमियमऔर अलग महसूस हों। ब्लेंडर्स प्राइड रिजर्व्डएक्सपीरियंसेज के जरिए हम एक ऐसा सांस्कृतिक मंचतैयार कर रहे हैं, जो इस बदलाव को दशार्ता है और फ्लेवरकी गहराई व जटिलता को बहु-इंद्रिय अनुभवों के माध्यम सेप्रस्तुत करता है। यह आज के दर्शकों के जुड़ने के तरीके कास्वाभाविक विस्तार है, जहां खोज का अनुभव अधिकसमृद्ध, आकर्षक और हर मायने में खास बन गया है।

विश्वविद्यालय में एआई वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आईईई स्टूडेंट ब्रांच द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रशिक्षण हेतु आयोजित एआई मेड ईजी कार्यशाला श्रृंखला के अंतर्गत एआई आधारित वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता प्रॉम्प्ट टू एआई विजन का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला श्रृंखला का उद्देश्य छात्रों को एआई के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम विकास, उपकरणों और तकनीकों से परिचित कराना तथा उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों का प्रशिक्षण प्रदान करना रहा। इसी क्रम में आयोजित वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्रों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना तथा एआई आधारित कंटेंट निर्माण में उनकी दक्षता का मूल्यांकन करना रहा। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने एआई टूल्स की सहायता से अपनी कल्पनाओं को वीडियो के रूप में प्रस्तुत किया।

यह एआई जागरूकता एवं प्रशिक्षण अभियान विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति की प्रेरणा तथा जनभवन के निदेर्शों के क्रम में संचालित किया जा रहा है। कार्यशाला श्रृंखला का संचालन इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल तथा कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। ब्रांच के काउंसलर डॉ. दिव्येंदु मिश्र ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य एआई और उभरती तकनीकों के जरिए करियर के नए अवसरों की जानकारी देना था।

कार्यक्रम में फैकल्टी कोऑर्डिनेटर डॉ. दिलीप यादव ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए वीडियो निर्माण में एआई की उपयोगिता एवं महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर स्टूडेंट ब्रांच के सदस्य अनुराग पाल, निहार, आद्रिका, ऋचा, युगांत्रा, अमन, शिवांश, सागर, हिमानी, अदिति, पवन, आंचल, विवेक सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन इप्सिता ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन ब्रांच के चेयर सृजन श्रीवास्तव ने प्रस्तुत किया।

इंदौर में निगमकर्मी ही खुले में कचरा फेंककर जला रहे: आग, बदबू और धुआं से लोग परेशान

प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर देश में लगातार आठ बार स्वच्छता में अव्वल रहने वाले इंदौर की सफाई व्यवस्था को नगर निगम के कर्मचारी ही पलीता लगा रहे हैं। ऐसे तीन वीडियो सामने आए हैं, जिनमें निगम के कर्मचारी रहवासी क्षेत्र में खुले में कचरा फेंकते नजर आ रहे हैं और इसमें रात में आग लगा दी जाती है। ऐसा तब हो रहा है, जब स्वच्छता सर्वेक्षण की टीम निरीक्षण पर है। हालात ऐसे हैं कि पिछले दो माह में खुद फायर ब्रिगेड के पास कचरा जलाने की 50 शिकायतें आ चुकी हैं। क्रमांक-53 नेत्रराम का बगीचा क्षेत्र, डेली कॉलेज के सामने का है। निगम के कर्मचारी ट्रैक्टर ट्राली से कचरा लेकर आते हैं और रहवासी क्षेत्र के बीचोंबीच डंप कर देते हैं। इसमें सूखा कचरा और मलबा भी होता है। फिर रात में इसी कचरे में आग लगा दी जाती है। जिससे क्षेत्र में धुआं फैलता है और रहवासियों को परेशानी होती है। रहवासियों ने कई बार मना किया, पर कर्मचारी उनकी सुनने को तैयार नहीं हैं। बात 28 मई की है। ट्रैक्टर ट्राली से सूखा कचरा लाया गया और खाली जगह पर डंप कर दिया गया। इसका वीडियो सामने आया है, जिसमें निगम के एक दरोगा की उपस्थिति में कचरा फेंका जा रहा है। जबकि एक दिन पहले (27 मई) की रात को ही कचरे में लगाई गई आग ने विकराल रूप ले लिया था। धुआं से लोगों का जीना मुहाल हुआ, तो लोगों ने फायर ब्रिगेड का फोन किया और दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

वार्ड पार्षद फौजिया शेख अलीम ने बताया कि उन्हें इस संबंध में शिकायत मिली है। उन्होंने कहा कि नगर निगम कर्मचारियों को किसी भी

स्थिति में खुले स्थान पर कचरा नहीं फेंकना चाहिए और न ही उसे जलाना चाहिए। निर्धारित प्रक्रिया के तहत कचरे का निस्तारण ट्रेंचिंग ग्राउंड में किया जाना चाहिए। उन्होंने मामले की शिकायत संबंधित सीएसआई से की है।जोन-19 के प्रभारी धीरेंद्र बैस ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा करना किसी भी तरह से ठीक नहीं है। इसे किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। यदि जांच में किसी दरोगा या निगम कर्मचारी की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार पिछले दो माह में शहर में कचरे में आग लगने की 50 से अधिक शिकायतें फायर ब्रिगेड को मिल चुकी हैं। प्रतिदिन औसतन दो से तीन शिकायतें अलग-अलग क्षेत्रों से दर्ज हो रही हैं। कई मामलों में कचरे में लगी आग आसपास की दुकानों और गोदामों तक पहुंच गई, जिससे नुकसान भी हुआ। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं ने कचरा प्रबंधन व्यवस्था और निगरानी तंत्र की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जन चौपाल में सुनी गई ग्रामीणों की समस्याएं, मुख्य विकास अधिकारी ने दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

आयुष्मान कार्ड वितरण से लेकर पेंशन निस्तारण तक, जन चौपाल में मिला त्वरित लाभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन के निदेर्शानुसार तथा जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में जनसमस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित गांव की समस्या, गांव में समाधान कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को विकास खण्ड महराजगंज की ग्राम पंचायत बैरमा में मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया की अध्यक्षता में जन

चौपाल का आयोजन किया गया। जन चौपाल में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में ग्रामीणों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना गया तथा उनके गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। साथ ही ग्रामीणों को केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न लाभार्थीपरक योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान कर जागरूक किया गया। चौपाल के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही लाभान्वित किया गया। ग्रामवासी विवेक, प्रतिमा, फूलकुमारी मौर्य, राजाराम गौतम, आशीष पटेल एवं लालसाहब मौर्य को आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराए गए, जिससे उन्हें भविष्य में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ प्राप्त हो सकेगा।

जनसुनवाई के दौरान श्रीमती मनराजी पत्नी स्वर्गीय राउरदीन सरोज ने विधवा पेंशन से संबंधित समस्या प्रस्तुत की, जिसका मौके पर ही समाधान सुनिश्चित कराया गया। इससे उपस्थित ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति विश्वास और संतोष का वातावरण देखने को मिला।

इसी क्रम में ग्रामवासी रमाशंकर द्वारा सम्पर्क मार्ग निर्माण में उत्पन्न विवाद की शिकायत दर्ज कराई गई। इस संबंध में उपस्थित राजन पाण्डेय द्वारा अवगत कराया गया कि सम्पर्क मार्ग से सटे चक की पैमाइश हेतु धारा-24 के अंतर्गत वाद दर्ज कराया गया है। मुख्य विकास अधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए राजस्व निरीक्षक को तत्काल पैमाइश कराकर सम्पर्क मार्ग से संबंधित विवाद का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ग्रामवासी मूलचन्द्र पुत्र सरबजीत द्वारा विद्युत तारों के नीचे लटकने की शिकायत की गई, जिस पर विद्युत विभाग के अधिकारियों को दो दिवस के भीतर समस्या का समाधान कर जियोटैग फोटो सहित अनुपालन आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना तथा ग्रामीणों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण निर्धारित समय सीमा के भीतर किया जाए। आगामी 05 जून, 12 जून एवं 19 जून 2026 को भी अन्य ग्राम पंचायतों में जन चौपाल आयोजित की जाएंगी, जिससे ग्रामीणों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर प्रभावी एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

दिल को सुकून देने वाली मराठी कॉमेडी फि ल्म, 'सुपर डुपर'

ठाणे/नवी मुंबई। मराठी जी5 ने समीर आशा पाटिल के निर्देशन में बनी दिल को छू लेने वाली कॉमेडी-ड्रामा फि ल्म 'सुपर डुपर' के डिजिटल प्रीमियर की घोषणा की है। सिनेमाघरों में जबरदस्त कामयाबी और दर्शकों की भरपूर तारीफ पाने के बाद, यह फि ल्म 29 मई, 2026 को मराठी जी5 पर अपने डिजिटल डेब्यू के लिए पूरी तरह तैयार है।

जी स्टूडियोज के साथ मिलकर 99 प्रोडक्शंस और सिद्धिविनायक प्रोडक्शंस द्वारा प्रोड्यूस की गई फि ल्म, सुपर डुपर में ललित प्रभाकर, विदुला चौगुले, निर्मिति सावंत, हृषिकेश जोशी, शशांक शेंडे, कुशल बद्रीके और नम्रता सम्भेराव सहित कई शानदार कलाकारों ने अहम किरदार निभाए हैं। सुपर डुपर मुंबई में अपने सपनों को पूरा करने में जुटे दो कामकाजी युवा, रोहित और उसकी गर्लफ्रेंड ईशा की कहानी है। उनकी ज़िंदगी में तब एक नया मोड़ आता है, जब वे एक ब्रोकर के जरिए एक फ़्लैट खरीदते हैं। लेकिन फिर उन्हें पता चलता है कि वही प्रॉपर्टी जाधव परिवार को भी बेच दी गई है, जो हाल ही में अपने गाँव से आया एक बड़ा और पारंपरिक परिवार है। जल्द ही अदालत के एक आदेश की वजह से दोनों परिवारों को कानूनी मामला सुलझने तक उसी अपार्टमेंट में साथ रहने पर मजबूर होना पड़ता है, जिसके बाद हंगामेदार, मजेदार और दिल को छू लेने वाले लम्हों के सिलसिले की शुरूआत होती है।

हेमा वी. आर., चीफ चैनल ऑफि सर जी मराठी एवं बिजनेस हेड - मराठी जी5 ने कहा, हमने इस साल जी5 पर मराठी में रिलीज होने वाली फि ल्मों और शोज की एक शानदार सूची तैयार की है। 'क्रांतिज्योति विद्यालय मराठी माध्यम', 'अगं अगं सुनबाई! काय म्हणते सासूबाई?' और 'तिघी' जैसी ब्लॉकबस्टर और समीक्षकों -की भरपूर तारीफ पाने वाली फि ल्मों की कामयाबी के बाद, हमें इस वीकेंड दर्शकों के लिए 'सुपर डुपर' का शानदार प्रीमियर पेश करते हुए बेहद खुशी हो रही है, जो आम ज़िंदगी की सच्चाई पर बनी एक दिल को छू लेने वाली पारिवारिक फिल्म है।

निर्देशक समीर आशा पाटिल ने कहा, असल में, सुपर डूपर उन लोगों की कहानी है जो आपसी मतभेदों के बाद भी एक साथ रहना सीख लेते हैं। भले ही इसकी कहानी हंसी-मजाक और हंगामे से भरपूर है, पर इसमें दिखाए गए जज्बात लोगों को अपने से लगते हैं, क्योंकि हर परिवार की अपनी कुछ आदतें, परंपराएँ और अपनी कुछ कमजोरियाँ होती हैं।

जानी-मानी अदाकारा, निर्मिति सावंत ने कहा, फि ल्म सुपर डुपर की सबसे खास बात यह है कि इसका हर किरदार असल जिंदगी से जुड़ा और जाना-पहचाना लगता है। यह फि ल्म फिल्म उसी हंगामे, प्यार और दीवानेपन को दिखाती है जो हर भारतीय परिवार में होता है, खासकर तब जब दो एकदम अलग सोच रखने वाले लोगों को मजबूरन एक ही छत के नीचे साथ रहना पड़े।अभिनेता ललित प्रभाकर ने कहा, रोहित एक ऐसा किरदार है जो आज के ज्यादातर युवाओं को बिल्कुल अपने जैसा लगेगा, क्योंकि बड़े अरमानों वाला यह नौजवान आत्मनिर्भर है और अपनी शर्तों पर ज़िंदगी बनाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन जब उसके रहने की जगह का माहौल अचानक हंगामा से भरा हो जाता है, तो सब कुछ बदल जाता है।

चांदपुर में मां मणियां देवी धाम पर विविध धार्मिक आयोजन

जौनपुर। चंदेल वंश की कुलदेवी मां मणियां देवी के अवतरण-स्थापना के प्रथम वार्षिकोत्सव के अवसर पर आज 31 मई 2026, रविवार को भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। विगत कई वर्षों के अथक प्रयासों से स्थापित मां मणियां देवी धाम के प्रथम स्थापना दिवस को लेकर श्रद्धालुओं एवं चंदेल समाज में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। यह आयोजन जनपद जौनपुर के सिकरारा क्षेत्र स्थित चांदपुर गांव में मां मणियां देवी सेवा समिति के तत्वावधान में संपन्न हो रहा है। समिति के समर्पित एवं सेवा भाव से जुड़े युवाओं द्वारा कार्यक्रम को भव्य और सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान की शुरूआत रामचरितमानस के संपूर्ण पाठ से हुई। इसके पश्चात पांच विद्वान कुलपुरोहित मिश्र वंशीय ब्राह्मणों द्वारा मां मणियां देवी का विशेष पूजन, नवचंडी पाठ एवं यज्ञ विधि विधान से संपन्न कराया जा रहा है। रविवार सायंकाल सुप्रसिद्ध देवीगीत गायक रविंद्र सिंह ज्योति द्वारा प्रस्तुत देवीगीत कार्यक्रम मुख्य आकर्षण रहेगा। पत्रकार एवं महाराष्ट्र शासन के विशेष कार्यकारी अधिकारी आदेश मिश्र ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि कार्यक्रम की सफलता में पूर्व प्रधानाचार्य जयप्रकाश सिंह (मदिकबाग, विसांवां खपरहां, जौनपुर), वेदप्रकाश सिंह, प्रेम प्रकाश सिंह (ककोहिया रीठी, जौनपुर), प्रेम कुमार सिंह (चांदपुर जौनपुर), अरविंद सिंह, पिंकू सिंह, चेतन सिंह, डॉ. डी.पी. सिंह, अरुण कुमार सिंह (संजू), विजय प्रताप सिंह तथा आजमगढ़ निवासी अधिवक्ता शत्रु विजय सिंह की उल्लेखनीय भूमिका रही है, जिसकी समाज के लोग सराहना कर रहे हैं। सेवा समिति ने समस्त श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे मां मणियां देवी के पूजन-दर्शन एवं महाप्रसाद में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करें। कार्यक्रम को सफल बनाने में शेरवां गांव एवं आसपास के गांवों के प्रबुद्ध जनों, पंकज सिंह, अजय सिंह, बबलू सिंह, मनोज सिंह, मंदिर पुजारी प्रेमचंद्र मिश्र (विनय), धर्मेंद्र पांडेय सहित सभी भक्तों, शुभचिंतकों एवं सहयोगियों के प्रति सेवा समिति ने आभार व्यक्त किया है।